वर्ष : 34 | अंक : 325 | मुंबई, रविवार, 1 फरवरी 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

- बजट 2026 : रविवार को नया इतिहास
- राजकोषीय घाटे के लिए नई और लचीली रणनीति
- निर्मला सीतारमण का ऐतिहासिक नौवां बजट
- ऋण-जीडीपी अनुपात कम करने पर जोर

आंकड़ों से समझें : नई व्यवस्था की ओर कितना झुकाव?

आयकर विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, 15 सितंबर 2025 तक 7.3 करोड़ से ज्यादा आयकर रिटर्न (ITRs) दाखिल किए गए, जो पिछले वर्ष के 7.28 करोड़ के रिकॉर्ड को पार कर गया है। जिनमें से 5.27 करोड़ रिटर्न नई टैक्स व्यवस्था के तहत आए। यह कुल फाइलिंग का 72% से अधिक है। इसके विपरीत, केवल 28% (लगभग 2.01 करोड़) करदाताओं ने ही पुरानी व्यवस्था को चुनना पसंद किया। विशेषज्ञों का मानना है कि नई व्यवस्था में टैक्स स्लैब के सरलीकरण और छूट की सीमा बढ़ाने से मध्यम वर्ग तेजी से इस ओर आकर्षित हुआ है।

वित्त मंत्री सीतारमण आज पेश करेंगी रिकॉर्ड नौवां बजट

एजेंसी | नई दिल्ली

आज वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण देश का यूनियन बजट 2026 पेश करेंगी। यह उनका रिकॉर्ड नौवां पूर्णकालिक बजट होगा और मोदी सरकार का 15वां बजट। इस बार का बजट खास इसलिए भी है क्योंकि पहली बार इसे रविवार को पेश किया जाएगा। बजट से पहले ही विशेषज्ञ, निवेशक और आम जनता इसे लेकर उत्साहित हैं। वित्त मंत्री का ध्यान इस बार विशेष रूप से ऋण-जीडीपी अनुपात कम करने और आर्थिक स्थिरता बनाए रखने पर केंद्रित रहेगा। वर्तमान में यह अनुपात लगभग 56 प्रतिशत है। इसके बजाय राजकोषीय घाटा किसी विशेष लक्ष्य से अधिक लचीले और पारदर्शी वित्तीय मानकों के तहत नियंत्रित किया जाएगा।

बजट में संभावित 10 बड़े ऐलान

- इनकम टैक्स में छूट : नए टैक्स रेजीम में 12 लाख रुपये की आय पर कोई टैक्स नहीं, इसे बढ़ाकर 14 लाख रुपये करने की मांग।
- ओल्ड टैक्स रेजीम में राहत : बेस छूट 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 8 लाख रुपये करने की संभावना।
- टीडीएस कटौती में सुधार : सीनियर सिटीजन और किराये की आय पर सीमा बढ़ाकर 10 लाख रुपये, वरिष्ठ नागरिकों की कटौती 2 लाख रुपये तक।
- NPS रिटायरमेंट फंड : रिटायरमेंट पर 80% फंड निकासी पर शून्य टैक्स।
- GST सुधार : एजुकेशन, MSME और रियल एस्टेट में छूट, पेट्रोल-डीजल को GST दायरे में लाने का सुझाव।
- इंश्योरेंस सेक्टर में प्रोत्साहन : लाइफ और हेल्थ इंश्योरेंस को गांवों तक पहुंचाने के लिए फ्रेमवर्क।
- सोना-चांदी पर राहत : इंपोर्ट ड्यूटी और GST दर घटाने की संभावना, ज्वेलर्स के लिए टैक्स टाइमिंग राहत।
- किसानों के लिए ऐलान : PM KISAN SAMMAN NIDHI राशि 6,000 रुपये से बढ़ाकर 12,000 रुपये, MSP में वृद्धि।
- शेयर बाजार में रियायत : LTCG, STCG और STT में छूट, निवेशकों का भरोसा बढ़ाना।
- सीनियर सिटीजन को अतिरिक्त छूट : रेलवे टिकट बुकिंग में रियायत और अन्य राहत।

राजनीतिक दृष्टिकोण और कांग्रेस की आपत्ति

कांग्रेस ने बजट पेश होने से पहले नीति-निर्माण में तालमेल की कमी का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि बजट के कुछ आंकड़े प्रस्तुत होने के तुरंत बाद जीडीपी और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) में नई श्रृंखला जारी की जाएगी, जिससे बजट आंकड़ों में संशोधन की संभावना होगी। कांग्रेस के जयराम रमेश ने कहा कि इससे राज्य सरकारों और नीति निर्माताओं के लिए अनिश्चितता बढ़ेगी।

मोदी सरकार के बजट इतिहास का झलक

मोदी सरकार ने 2014 से अब तक कुल 14 बजट पेश किए हैं, जिनमें चुनावी वर्षों में प्रस्तुत दो अंतरिम बजट भी शामिल हैं। निर्मला सीतारमण ने 2019 से वित्त मंत्री के रूप में लगातार पूर्ण बजट पेश किए हैं। पिछले बजटों में आयकर छूट, एफडीआई, इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश, सामाजिक कल्याण और निजीकरण जैसे बड़े फैसले लिए गए हैं।

2014 : मध्यम वर्ग को राहत, आयकर छूट सीमा बढ़ाई। 2015-2016 : वेल्थ टैक्स हटाया, NPS में छूट, बीमा क्षेत्र में सुधार।

2017 : आम बजट और रेल बजट एक साथ पेश। 2019-2025 : करदाताओं को बड़ी राहत, नई टैक्स व्यवस्था, निजीकरण, रोजगार और ग्रामीण विकास पर जोर।

Budget 2026 न केवल करदाताओं और निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण होगा, बल्कि मोदी सरकार की आर्थिक प्राथमिकताओं और विकास योजना का संकेत भी देगा। जनता की निगाहें इन 10 संभावित ऐलानों पर टिकी हैं, जो देश की अर्थव्यवस्था और आम नागरिक की जेब दोनों पर असर डाल सकते हैं।

संकट की घड़ी में सत्ता की जिम्मेदारी

सुनेत्रा पवार बनीं महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में एक ऐतिहासिक, भावनात्मक और निर्णायक मोड़ आया है। दिवंगत उपमुख्यमंत्री और एनसीपी (अजित पवार गुट) के कद्दावर नेता अजित पवार के आकस्मिक निधन के बाद उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार ने शनिवार शाम राज्य की पहली महिला उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। लोक भवन में आयोजित सादे लेकिन भावुक समारोह में राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी इस मौके पर मौजूद रहे।

राजनीतिक उत्तराधिकार नहीं, परिस्थितियों की देन

सुनेत्रा पवार का उपमुख्यमंत्री बनना किसी पूर्व-निर्धारित राजनीतिक योजना का हिस्सा नहीं था। 28 जनवरी 2026 को बारामती में हुए विमान हादसे में अजित पवार के निधन के बाद राज्य की राजनीति में अचानक बने शून्य ने यह परिस्थिति पैदा की। एनसीपी विधायक दल ने सर्वसम्मति से सुनेत्रा पवार को अपना नेता चुना, जिसके बाद उन्हें उपमुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई।

महिला डिप्टी सीएम, लेकिन बिना वित्त मंत्रालय

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सुनेत्रा पवार को विभागों का आवंटन करते हुए उन्हें आबकारी, खेल तथा अल्पसंख्यक एवं औकाफ मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी है। हालांकि, अहम वित्त मंत्रालय उन्हें नहीं दिया गया। गौरतलब है कि दिवंगत अजित पवार उपमुख्यमंत्री रहते हुए वित्त सहित इन सभी विभागों का प्रभार संभाल रहे

प्रधानमंत्री से लेकर पार्टी तक ने जताया भरोसा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुनेत्रा पवार को बधाई देते हुए कहा कि उन्हें विश्वास है कि वह राज्य की जनता के कल्याण के लिए पूरी निष्ठा से काम करेंगी और अजित पवार के सपनों को आगे बढ़ाएंगी। वहीं, शपथ ग्रहण समारोह में 'अजित दादा अमर रहें' के नारों ने माहौल को भावुक कर दिया।

शरद पवार का संतुलित बयान

सुनेत्रा पवार के डिप्टी सीएम बनने पर शरद पवार ने कहा कि यह पार्टी का आंतरिक निर्णय है। साथ ही उन्होंने संकेत दिए कि अजित पवार की इच्छा थी कि एनसीपी के दोनों गुट एक हों, जिसे आगे पूरा किया जाना चाहिए।

राजनीति से दूरी, सामाजिक कार्यों से पहचान

1963 में धाराशिव (पूर्व उस्मानाबाद) जिले में जन्मी सुनेत्रा पवार लंबे समय तक सक्रिय राजनीति से दूर रहीं। उन्होंने बारामती के काटेवाड़ी गांव में स्वच्छता, जल प्रबंधन, जैविक खेती और महिला सशक्तिकरण पर काम किया। उनके प्रयासों से गांव को 'इको-विलेज' का दर्जा मिला। उन्होंने टेक्सटाइल पार्क के माध्यम से हजारों ग्रामीण महिलाओं को रोजगार भी दिया।

2024 से सक्रिय राजनीतिक सफर

2024 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने बारामती से सुप्रिया सुले के खिलाफ चुनाव लड़कर राजनीति में औपचारिक प्रवेश किया, हालांकि उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद वे राज्यसभा पहुंचीं। अब राज्यसभा से इस्तीफा देकर उन्होंने पूरी तरह राज्य की राजनीति की कमान संभाल ली है।

एनसीपी की विरासत और भविष्य दोनों की जिम्मेदारी

सुनेत्रा पवार के कंधों पर अब केवल उपमुख्यमंत्री पद ही नहीं, बल्कि एनसीपी (अजित पवार गुट) को एकजुट रखने की जिम्मेदारी भी है। प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे और छगन भुजबल जैसे वरिष्ठ नेताओं के साथ संतुलन बनाना, महायुति गठबंधन में भूमिका निभाना और एनसीपी के दोनों गुटों के संभावित विलय पर फैसला लेना उनके सामने बड़ी चुनौतियां हैं।

टी20 सीरीज : भारत ने न्यूजीलैंड को 46 रनों से रौंदा

एजेंसी | तिरुवनंतपुरम

टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले भारतीय टीम ने अपनी आखिरी सीरीज में जोरदार जीत दर्ज की। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 श्रृंखला का आखिरी मुकाबला 31 जनवरी को तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला गया। भारत ने 46 रनों से जीत हासिल करते हुए सीरीज 4-1 से अपने नाम की।

ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव की तूफानी बल्लेबाजी

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। शुरुआत में संजू सैमसन (6 रन) और अभिषेक शर्मा (30 रन) जल्दी आउट हो गए, और भारत का स्कोर केवल 42 रन पर 2 विकेट रह गया। इसके बाद ईशान किशन ने मात्र 43 गेंदों में 103 रन की शतकीय पारी खेली, जिसमें 10 छक्के और 6 चौके शामिल थे। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 30 गेंदों में 63 रन बनाए। दोनों ने केवल 57 गेंदों में 137 रनों की साझेदारी कर टीम की पारी को मजबूत किया। हार्दिक पंड्या ने अंत में 17 गेंदों में 42 रन बनाकर टीम इंडिया का स्कोर 271/5 तक पहुंचाया। भारतीय बल्लेबाजों ने अंतिम 10 ओवरों में 169 रन जोड़े।

अर्शदीप सिंह की पांच विकेट की धमाकेदार गेंदबाजी

न्यूजीलैंड की शुरुआत तेज रही, फिन एलन ने 38 गेंदों में 80 रन बनाकर कीवी टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। रचिन रवींद्र ने भी 17 गेंदों में 30 रन जोड़े। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 100 रन की साझेदारी की। लेकिन इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने कमाल दिखाया। अर्शदीप सिंह ने 5 विकेट चटकाए। अक्षर पटेल ने 3 विकेट झटके।

टी20 वर्ल्ड कप से पहले शानदार तैयारी

टी20 सीरीज में भारत ने पहले तीन मैच जीतकर ही सीरीज पर कब्जा जमा लिया था। चौथे मैच में न्यूजीलैंड ने जीत दर्ज की थी, लेकिन अंतिम मुकाबले में भारत ने जोरदार वापसी कर सीरीज को जीत के साथ समाप्त किया। इस जीत के साथ ही भारत ने न केवल सीरीज अपने नाम की, बल्कि आगामी टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले आत्मविश्वास और तैयारी का संदेश भी दिया। ईशान किशन और अर्शदीप सिंह इस जीत के प्रमुख सितारे रहे।

ब्रीफ न्यूज़

बेहद खतरनाक दौर से गुजर रही दुनिया : रघुराम राजन

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने कहा है कि दुनिया इस समय बेहद मजबूत और चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रही है। उन्होंने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से अपील की कि 2026-27 का बजट लंबी अवधि के दृष्टिकोण पर आधारित होना चाहिए, जिससे भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत, आत्मनिर्भर और तेजी से विकसित हो सके।

12 किलोमीटर तक ठेले पर शव ले जाने को मजबूर हुआ परिवार

फरीदाबाद। 35 वर्षीय अनुराधा देवी की मौत के बाद उनके परिवार को शव को मोटराइज्ड ठेले पर करीब 12 किलोमीटर तक घर ले जाना पड़ा। परिवार का आरोप है कि बादशाह खान सिविल अस्पताल ने शव वाहन या कोई मदद नहीं दी। अनुराधा लंबे समय से टीबी से पीड़ित थीं और इलाज के लिए पति ने अपनी पूरी जमा पूंजी खर्च की थी। अस्पताल ने एंबुलेंस देने से इनकार किया और निजी वाहन का किराया 500-700 रुपये बताया, जिसे परिवार वहन नहीं कर सका।

विदेश मंत्रालय ने पीएम मोदी का नाम एपस्टीन फाइल्स में खारिज किया

एजेंसी | नई दिल्ली

एपस्टीन फाइल्स में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2017 के इजराइल दौरे का जिक्र होने के बाद देश में चर्चा तेज हो गई। कांग्रेस ने इस मुद्दे पर हमला बोला, लेकिन विदेश मंत्रालय ने इसे पूरी तरह से निराधार और बकवास करार दिया। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री मोदी का इजराइल दौरा 2017 में हुआ था और इसका एपस्टीन फाइल्स में उल्लेख असत्य है। अमेरिकी न्याय विभाग ने एपस्टीन फाइल्स की नई खेप जारी की है, जिसमें शामिल हैं:30 लाख पन्नों के दस्तावेज,2,000 से ज्यादा वीडियो,1 लाख 80 हजार से अधिक तस्वीरें,इन दस्तावेजों में कोर्ट रिकॉर्ड, जांच रिपोर्ट और फ्लाइट लॉग शामिल हैं। नए दस्तावेजों में कई प्रभावशाली लोगों के नाम सामने आए हैं, जिनमें शामिल हैं:राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप,अमेरिकी उद्योगपति बिल गेट्स, टेक्नोलॉजी उद्यमी एलन मस्क, ब्रिटेन के प्रिंस एंड्रू दस्तावेजों में ट्रंप पर यौन उत्पीड़न के आरोपों और कई गवाहों की गवाही का जिक्र भी है।

ट्रंप और एपस्टीन के संबंध

एक गवाह ने बताया कि ट्रंप अक्सर एपस्टीन के पाम बीच वाले घर और निजी क्लब में आते-जाते थे। दस्तावेजों में कुछ तस्वीरें और पुराने मैसेज भी मिले हैं, जो ट्रंप और एपस्टीन के दोस्ताना संबंध को दर्शाते हैं। एपस्टीन ने एलन मस्क को भी अपने प्राइवेट आइलैंड पर आने के लिए कई बार न्योता दिया था, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा ट्रंप के साथ संबंध पर केंद्रित रही।

ईरान में सिलसिलेवार धमाकों से दहशत

बंदर अब्बास में भारी तबाही, 14 की मौत

IRGC गेस्ट हाउस बताया जा रहा निशाना

एजेंसी | तेहरान/बंदर अब्बास

ईरान के दक्षिणी बंदरगाह शहर बंदर अब्बास समेत कई इलाकों में हुए भीषण धमाकों से पूरे देश में हड़कंप मच गया है। ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार, बंदर अब्बास में एक बहुमंजिला रिहायशी इमारत में हुए विस्फोट में भारी तबाही हुई है। इस घटना में अब तक 14 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जिनमें चार बच्चे भी शामिल बताए जा रहे हैं। धमाकों की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाई है। सूत्रों के मुताबिक, बंदर अब्बास में ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड (IRGC) के एक गेस्ट हाउस को निशाना बनाया गया है। बताया जा रहा है कि धमाका इतना शक्तिशाली था कि इमारत की दो मंजिलें पूरी तरह ढह गईं। आसपास खड़ी कई गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं और नजदीकी दुकानों को भी नुकसान पहुंचा। ईरान में अब तक छह शहरों से विस्फोटों की तस्वीरें सामने आ चुकी हैं। इनमें बंदर अब्बास के अलावा परांद, तबरीज़, अहवाज़ और पाकदश्त शामिल हैं। सबसे ज्यादा नुकसान बंदर अब्बास पोर्ट क्षेत्र में हुआ है, जिसे ईरान के रणनीतिक बंदरगाहों में गिना जाता है।

तीन परमाणु संयंत्र वाले शहरों में भी विस्फोट

चिंता की बात यह है कि जिन शहरों में धमाकों की खबरें आई हैं, उनमें इश्फहान, नतांज और सावे भी शामिल हैं, जहां ईरान के प्रमुख परमाणु संयंत्र स्थित हैं। हालांकि, इन परमाणु स्थलों को किसी बड़े नुकसान की आधिकारिक पुष्टि अब तक नहीं की गई है। ईरानी सरकारी टीवी के अनुसार, बंदर अब्बास के मोअल्लेम बुलेवार्ड इलाके में स्थित 8 मंजिला इमारत में विस्फोट हुआ। स्थानीय लोगों ने बताया कि धमाके की आवाज़ कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दी, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। लोग दहशत में घरों से बाहर निकल आए।

नौसेना कमांडर को निशाना बनाने की आशंका

कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि धमाके में ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड के नौसेना कमांडर को निशाना बनाया गया। इस बीच ईरानी सेना प्रमुख अमीर हातमी ने कहा कि देश की सुरक्षा को लेकर सेना पूरी तरह सतर्क है और किसी भी हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

अमेरिका-इजराइल ने किया इनकार

घटना के बाद क्षेत्रीय तनाव और बढ़ गया है, खासतौर पर तब जब खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका की सैन्य गतिविधियां तेज हैं। हालांकि, इजराइल ने स्पष्ट किया है कि इन धमाकों में न तो उसका और न ही अमेरिका का कोई हाथ है। दो इजरायली अधिकारियों ने रॉयटर्स को बताया कि इजराइल इस घटना में शामिल नहीं है। रणनीतिक रूप से अहम बंदर अब्बास में हुए धमाकों ने ईरान के साथ-साथ पूरे खाड़ी क्षेत्र की चिंता बढ़ा दी है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है, लेकिन विस्फोटों की असली वजह सामने आने तक सस्पेंस बरकरार है।

वायु प्रदूषण नियमों का उल्लंघन

घणसोली के दो डेवलपर्स पर काम बंद करने की कार्रवाई

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

वायु प्रदूषण रोकने के लिए लागू की जा रही प्रतिबंधात्मक उपाययोजनाओं के तहत नवी मुंबई महानगरपालिका ने कड़ी कार्रवाई शुरू की है। महापालिका आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे के निर्देशानुसार सभी विभागीय क्षेत्रों में निर्माण स्थलों पर मानक कार्यप्रणाली (एसओपी) के अनुसार नियमों के पालन की सख्त जांच की जा रही है। इसी क्रम में तुर्भे विभाग क्षेत्र की 7 निर्माण साइटों पर पहले ही काम बंद करने की कार्रवाई की जा चुकी है।

घणसोली में नियमों की अनदेखी पर सख्त कदम

इसी तरह घणसोली विभाग क्षेत्र में चल रहे निर्माण स्थलों पर वायु और ध्वनि प्रदूषण से जुड़े मानक नियमों का पालन नहीं किए जाने के मामले सामने आए। इसके बाद आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे के निर्देशानुसार अतिरिक्त आयुक्त-2 डॉ. राहुल गेठे, शहर अभियंता शिरीष आरदवाड, सहायक संचालक नगररचना सोमनाथ केकाण और परिमंडल-2 उपायुक्त संजय शिंदे के मार्गदर्शन में कार्रवाई की गई।

साइट सील, निर्माण कार्य रोका

कार्रवाई के तहत सेक्टर-3, घणसोली स्थित भूखंड क्रमांक 24 और 25 पर 'गामी एंड कृष्णा इंटरप्राइजेज' की संपत्ति को सील कर दिया गया है। वहीं, भूखंड क्रमांक 26, सेक्टर-3 में 'लाल केबी इन्फ्रा प्रा. लिमिटेड' द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्य को तत्काल प्रभाव से बंद करने के आदेश दिए गए हैं।

संयुक्त टीम ने की कार्रवाई

यह कार्रवाई घणसोली विभाग के सहायक आयुक्त वसंत मुंडावरे के नियंत्रण में की गई। इसमें कार्यकारी अभियंता यशवंत कापसे, उप अभियंता रमेश गुरव और किरण पाटील के साथ कनिष्ठ अभियंता, स्वच्छता अधिकारी और उद्यान सहायक शामिल थे। महापालिका ने साफ किया है कि पर्यावरण संरक्षण के लिए नियमों का उल्लंघन करने वाले निर्माण कार्यों पर आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

एपीएमसी सब्जी बाजार में टमाटर सस्ता

आवक बढ़ने से कीमतों में आई बड़ी गिरावट

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

वाशी स्थित एपीएमसी सब्जी बाजार में टमाटर की कीमतों में अचानक बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। दो दिन पहले तक 24 से 30 रुपए प्रति किलो बिकने वाला टमाटर शनिवार को घटकर 12 से 16 रुपए प्रति किलो के भाव पर पहुंच गया।

उपभोक्ताओं को राहत, किसानों की चिंता

कीमतों में गिरावट का सीधा फायदा उपभोक्ताओं को मिल रहा है, वहीं किसानों और व्यापारियों की मुनाफे को लेकर चिंता बढ़ गई है। बाजार जानकारों के मुताबिक, फिलहाल टमाटर की कीमतों में तेजी के संकेत नहीं हैं।

आने वाले दिनों में और नरमी की संभावना

एपीएमसी के व्यापारियों का कहना है कि मौसम अनुकूल रहने और उत्पादन अच्छा होने के कारण आने वाले कुछ महीनों तक टमाटर की कीमतों में नरमी बनी रह सकती है। यदि आवक इसी तरह जारी रही, तो दाम और नीचे जाने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता।

बाजार में बढ़ी आवक बना कारण

सब्जी व्यापारी ओमकार गुप्ता के अनुसार, टमाटर की कीमतों में आई इस गिरावट का मुख्य कारण बाजार में आवक का तेजी से बढ़ना है। इस समय महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों के साथ-साथ कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और मध्य प्रदेश से बड़े पैमाने पर टमाटर की आपूर्ति हो रही है, जिससे बाजार में उपलब्धता बढ़ी और दाम नीचे आए।

सायबर अपराध के खिलाफ पुलिस का जनजागरण अभियान

भाईंदर में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

विनय दूबे । भाईंदर

शहर में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए मीरा-भाईंदर-वसई-विरार (एमबीवीवी) पुलिस की ओर से लगातार जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में साइबर पुलिस थाने द्वारा भाईंदर (पश्चिम) स्थित अवर लेडी ऑफ बेथलहम चर्च में एक साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक के निर्देशानुसार 29 जनवरी को आयोजित इस कार्यक्रम में साइबर पुलिस थाने के सब-इंस्पेक्टर वैभव धनवाडे ने 20 से 75 वर्ष आयु वर्ग के करीब 40 से 50 नागरिकों को संबोधित किया। उन्होंने वर्तमान में सामने आ रहे ट्रेंडिंग साइबर अपराधों, ऑनलाइन ठगी, सोशल मीडिया से जुड़े अपराधों और सोशल मीडिया शिष्टाचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पर्चे वितरित कर बढ़ाई जागरूकता

कार्यक्रम के अंत में साइबर अपराधों से संबंधित जागरूकता पर्चे भी नागरिकों के बीच वितरित किए गए, ताकि वे भविष्य में किसी भी तरह की ऑनलाइन ठगी से सतर्क रह सकें। एमबीवीवी पुलिस का यह अभियान नागरिकों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने और सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

ऑनलाइन सुरक्षा पर विशेष मार्गदर्शन

कार्यक्रम के दौरान पीपीटी के माध्यम से साइबर विषयों को सरल भाषा में समझाया गया। पुलिस अधिकारियों ने रोजमर्रा के जीवन में ऑनलाइन वित्तीय लेनदेन करते समय बरती जाने वाली सावधानियों, सुरक्षित पासवर्ड, फर्जी कॉल और लिंक से बचने के उपायों पर जोर दिया। वरिष्ठ नागरिकों को विशेष रूप से इंटरनेट का सुरक्षित उपयोग करने से जुड़े महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए।

उलवे में बड़ा हादसा टला, ग्राइंडर से कटा पैर डॉक्टरों ने जोड़ दिया

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

उलवे में एक कंस्ट्रक्शन साइट पर काम के दौरान बड़ा हादसा टल गया, जब मजदूर मोहन थापा का पैर अचानक ग्राइंडर मशीन से कट गया। मौके पर अफरा-तफरी मच गई, लेकिन स्थानीय लोगों की तत्परता और अस्पताल की समय पर कार्रवाई के कारण स्थिति नियंत्रण में आ गई। घायल को तुरंत उलवे स्थित विश 2 केअर मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अस्पताल पहुंचते ही बिना किसी देरी के मरीज का इलाज शुरू किया गया। अस्पताल के सीईओ डॉ. शुभम पाठक, डॉ. महावीर और उनकी टीम ने गोल्डन ऑवर का सही उपयोग करते हुए तुरंत सर्जरी की तैयारी शुरू कर दी। लगभग दो घंटे तक चले जटिल ऑपरेशन के बाद डॉक्टरों की टीम मरीज का कटा हुआ पैर जोड़ने में सफल रही। समय पर इलाज और अनुभवी डॉक्टरों की टीम की वजह से यह कठिन सर्जरी सफल हो सकी। डॉ. महावीर ने बताया कि अस्पताल की आधुनिक सुविधाएं और डॉक्टरों का अनुभव इस इलाज में बेहद अहम साबित हुए। उन्होंने कहा कि सही समय पर इलाज शुरू होना ही पैर बचाने का सबसे बड़ा कारण रहा।

नवी मुंबई में लगातार डीप क्लीनिंग अभियान, मैदानों और खुले स्थानों की विशेष सफाई

वायु प्रदूषण नियंत्रण को लेकर मनपा की सख्त कार्रवाई, 6 टन से अधिक धूल-मिट्टी हटाई गई

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

शहर की वायु गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से नवी मुंबई महानगरपालिका द्वारा विभिन्न हिस्सों में लगातार डीप क्लीनिंग अभियान चलाया जा रहा है। मनपा आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे के मार्गदर्शन में जहां एक ओर निर्माण स्थलों पर वायु प्रदूषण नियंत्रण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, वहीं सर्दियों के मौसम में हवा में बढ़ी धूल और धुंध को देखते हुए सड़कों, मैदानों और खुले स्थानों की गहन सफाई की जा रही है। अतिरिक्त आयुक्त सुनील पवार के नियंत्रण में पूरा स्वच्छता विभाग धूल प्रदूषण नियंत्रण के लिए सक्रिय है। आयुक्त के निर्देशानुसार सभी विभाग कार्यालयों के स्तर पर सहायक आयुक्तों की निगरानी में, शहर अभियंता शिरीष आरदवाड और घनकचरा प्रबंधन विभाग के उपायुक्त डॉ. अजय गडदे के मार्गदर्शन में विशेष टीमें तैनात की गई हैं। इन टीमों द्वारा सखोल सफाई के साथ-साथ धूल रोकने के प्रभावी उपाय लागू किए जा रहे हैं। 29 से 31 जनवरी 2026 के बीच इस अभियान के तहत 6 टन से अधिक धूल, मिट्टी और मलबा हटाया गया। प्राथमिकता के आधार पर 12 प्रमुख सड़कों पर 10 किलोमीटर से अधिक हिस्से की गहन सफाई की गई। सड़कों को पहले ब्रश से साफ कर धूल हटाई गई, फिर जेटिंग मशीन और एनकैप फॉगर्स वाहनों से धोया गया। यांत्रिक सफाई मशीनों से प्रतिदिन करीब 223 किलोमीटर मुख्य सड़कों की सफाई की जा रही है। इस दौरान आम्र मार्ग, ठाणे-बेलापुर मार्ग, सायन-पनवेल हाईवे (वाशी), पाम बीच रोड, कोपरखैरणे-घणसोली पाम बीच मार्ग, सानपाड़ा, तुर्भे एमआईडीसी रोड, रबाले एमआईडीसी, घणसोली और अन्य इलाकों में गहन सफाई की गई। निर्माण स्थलों और आसपास के क्षेत्रों की भी विशेष सफाई की गई है। मनपा ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

मैदानों और खुले प्लॉट्स की विशेष सफाई

साथ ही शहर के मैदानों और खुले स्थानों की विशेष सफाई मुहिम भी सभी विभाग कार्यालयों के स्तर पर चलाई गई। इसमें ऐरोली, तुर्भे, सानपाड़ा, कोपरखैरणे, वाशी और घणसोली के कई प्रमुख मैदानों और खुले प्लॉट्स की गहन सफाई की गई। अभियान में 8 जेटिंग मशीन, 7 यांत्रिक सफाई मशीनें, 5 NACP फॉगर्स वाहन, 150 फ्लिपर मशीनें और 250 से अधिक स्वच्छता कर्मी शामिल रहे।

बीज देवाण-घेवाण दिवस नवी मुंबई में उत्साह के साथ मनाया गया

'माझी वसुंधरा अभियान 6.0' के तहत कई उद्यानों में हुए पर्यावरणीय उपक्रम

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

महाराष्ट्र शासन के पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से संचालित 'माझी वसुंधरा अभियान 6.0' के अंतर्गत नवी मुंबई में बीज देवाण-घेवाण दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। 31 जनवरी को नवी मुंबई महानगरपालिका आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे के मार्गदर्शन में उद्यान विभाग द्वारा शहर के विभिन्न उद्यानों और शैक्षणिक परिसरों में पर्यावरण जागरूकता से जुड़े अनेक उपक्रम आयोजित किए गए। अतिरिक्त आयुक्त डॉ. राहुल गेठे तथा उद्यान विभाग की उपायुक्त स्मिता काळे के नियंत्रण में महापालिका क्षेत्र के कई उद्यानों में बीज देवाण-घेवाण, बीज संकलन और सीड बॉल (बीज गोला) निर्माण का प्रशिक्षण दिया गया। यह कार्यक्रम बेलापुर, घणसोली, कोपरखैरणे, वाशी, ऐरोली और तुर्भे जैसे विभिन्न विभागों के उद्यानों में आयोजित किए गए।

नागरिकों और विद्यार्थियों की बड़ी भागीदारी

कार्यक्रम में शहर के नागरिक, महिला बचत समूह, स्कूली और कॉलेज विद्यार्थी, एनएसएस स्वयंसेवक, वृक्षप्रेमी, वरिष्ठ नागरिक, पर्यावरण प्रेमी संस्थाएं और सेवाभावी संगठन बड़ी संख्या में शामिल हुए। माता अमृतानंदमयी मठ, नेरूळ की ओर से भारती विद्यापीठ कॉलेज ऑफ फार्मेसी के एनएसएस विद्यार्थियों को प्रात्यक्षिक प्रशिक्षण दिया गया। महापालिका प्रशासन ने कहा कि ऐसे उपक्रमों के माध्यम से नागरिकों में पर्यावरण संरक्षण की भावना मजबूत हो रही है और हरित नवी मुंबई की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

इन स्थानों पर हुए कार्यक्रम

बेलापुर में डॉ. केशव हेगडेवार उद्यान (मँगो गार्डन), घणसोली में सेंट्रल पार्क सेक्टर-3, कोपरखैरणे में सेक्टर-14 स्थित निसर्ग उद्यान, वाशी में स्व. राजीव गांधी उद्यान सेक्टर-29, ऐरोली में स्व. राजीव गांधी उद्यान सेक्टर-3 तथा तुर्भे में संवेदना उद्यान सेक्टर-10, सानपाड़ा में यह उपक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुए। इसके अलावा कोपरखैरणे स्थित मनपा स्कूल क्रमांक 31 और 36 में भी कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर नागरिकों और विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए देशी वृक्षों के बीजों का आदान-प्रदान किया गया। इसमें चिकू, फणस (कटहल), जामुन, अमरूद, इमली, सीताफल, जांभूळ, आंवला, स्टार फ्रूट और आम जैसे वृक्षों के बीज शामिल थे। साथ ही बीज गोले तैयार करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया।

ग्राम पंचायत अंजुर में मुख्यमंत्री समृद्धि अभियान की समीक्षा, विकास कार्यों को सराहा

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ज़िला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रंजीत यादव ने ग्राम पंचायत अंजुर का सरप्राइज़ विज़िट कर मुख्यमंत्री समृद्धि पंचायत राज अभियान के तहत चल रही विकास गतिविधियों और कामकाज की समीक्षा की।

इस अवसर पर ग्रुप डेवलपमेंट ऑफिसर (भिवंडी) गोविंद खामकर, ग्राम पंचायत ऑफिसर अनिल गणेश कांगने, सरपंच छाया शाम जनठे, उप सरपंच हरेश मुरलीधर नाइक, ग्राम पंचायत सदस्य सुकेश डाकी, अविनाश डोडे, योगिता भोईर सहित ग्राम पंचायत स्टाफ और ग्रामीण मौजूद रहे।

विज़िट के दौरान ग्राम पंचायत ऑफिसर अनिल कांगने ने अभियान के सात प्रमुख हिस्सों और ग्राम में चल रहे विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। मुख्य कार्यकारी अधिकारी रंजीत यादव ने किए गए कामों पर संतोष जताते हुए ग्राम पंचायत के प्रयासों की सराहना की।

ग्राम पंचायत कमेटी ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी का ध्यान कुछ लंबित समस्याओं की ओर भी आकर्षित किया। इनमें मनकोली और अंजुर के बीच पानी की पाइपलाइन, एस.एस. अपार्टमेंट के 127 लोगों को पानी की सप्लाई, ग्राम पंचायत ऑफिस के सामने जमीन और घर खरीदने की अनुमति, और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के लिए सर्वे नंबर 223 में 30 गुंठा जमीन की मांग शामिल थी।

इसके अलावा, मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेलवे प्रोजेक्ट के कारण बच्चों के खेलने के लिए ग्राम अंजुर में एकमात्र क्रिकेट ग्राउंड प्रभावित हुआ है। ग्राम पंचायत कमेटी ने सर्वे नंबर 223 में बच्चों के लिए एक नए प्लेग्राउंड की सुविधा उपलब्ध कराने की भी मांग की। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने ग्राम पंचायत अंजुर के विकास प्रयासों को प्रेरणादायक बताया और आश्वासन दिया कि लंबित मुद्दों को जल्द निपटाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

शिवसेना-कामगार सेना द्वारा वाशी मजदूर नाका पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

वाशी स्थित मजदूर नाका पर शिवसेना-कामगार सेना की ओर से दिवंगत अजित (दादा) पवार की स्मृति में मजदूरों की उपस्थिति में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन शिवसेना कामगार सेना के नवी मुंबई अध्यक्ष प्रदीप वाघमारे, पूर्व नगरसेवक मनोहर जोशी और उपजिला प्रमुख दीपक सिंह के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर पूर्व नगरसेवक मनोहर जोशी और उपजिला प्रमुख दीपक सिंह के हाथों दिवंगत अजित (दादा) पवार के चित्र पर पुष्पहार अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। उपस्थित मजदूरों ने भी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

कामगार सेना के जिला अध्यक्ष एवं श्रमिक नेता प्रदीप बी. वाघमारे ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अजित (दादा) पवार वास्तव में कर्मठ और जमीन से जुड़े नेता थे। उन्होंने कभी जाति-पाति की राजनीति नहीं की, बल्कि सभी को साथ लेकर चलने में विश्वास रखा। 'कैसे होगा' से अधिक 'होना ही चाहिए' इस विचार के साथ वे हर व्यक्ति के काम में व्यक्तिगत रूप से ध्यान देते थे। महाराष्ट्र के निर्माण में तथा नवी मुंबई के कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं को मार्ग पर लाने में अजित पवार का अहम योगदान रहा, ऐसा वाघमारे ने कहा।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शिवसेना के नामदेव भगत, दिलीप घोडेकर, सचिन नाईक, वैभव गायकवाड़, रामबशिष्ट जैसवाल, दर्शन भणगे, अंजना भोईटे, कांग्रेस के बालकृष्ण बैले, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के अभिमान जगताप सहित अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे। सभी ने दिवंगत अजित पवार की स्मृतियों को साझा करते हुए शब्दों में श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम को सफल बनाने में राजू घोडे, राजेश पारवे, अनिल रणबावळे, कृष्णा घाटोळे, राहुल तांबे, विष्णु तांबे, अर्जुन देवकुळे, नामदेव घोडे तथा कृष्णा घोडे ने विशेष परिश्रम किए।

सभी को ट्रैफिक नियमों की आदत डालनी चाहिए

- जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल की ठाणेकरों को सलाह
- सड़क सुरक्षा सप्ताह कैंपेन-2026 का समापन

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ट्रैफिक नियमों का पालन केवल कानूनी मजबूरी नहीं, बल्कि अपनी और दूसरों की सुरक्षा के लिए जरूरी आदत है।

नियम तोड़ने पर जुर्माना, जेल या लाइसेंस रद्द होने जैसी कार्रवाई हो सकती है। इसलिए सभी नागरिकों को ट्रैफिक नियमों को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। यह बुनियादी सलाह ठाणे जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल ने दी।

ठाणे पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे के निर्देश और ट्रैफिक पुलिस उपायुक्त पंकज शिरसाट के मार्गदर्शन में ठाणे ट्रैफिक पुलिस विभाग द्वारा चलाए गए सड़क सुरक्षा सप्ताह कैंपेन-2026 का समापन शनिवार, 31 जनवरी को साकेत स्थित पुलिस स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स ग्राउंड में हुआ। इस अवसर पर डॉ. पांचाल ने नागरिकों को ट्रैफिक नियमों के पालन के महत्व के बारे में मार्गदर्शन किया।

इन नियमों से घटेंगे हादसे

जिलाधिकारी ने कहा कि वाहन चलाते समय हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग, लेन डिसिप्लिन का पालन, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाना, मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करना, ट्रैफिक सिग्नल का पालन, शराब पीकर वाहन न चलाना, ज़ेबरा क्रॉसिंग पर वाहन न रोकना और आवश्यक दस्तावेज साथ रखना—इन नियमों का पालन करने से अधिकांश सड़क हादसों को रोका जा सकता है।

2,000 से अधिक छात्रों की सहभागिता

समापन कार्यक्रम में जिले के 2,000 से अधिक छात्रों की उपस्थिति रही। आरएसपी छात्रों ने अनुशासित जुलूस निकालकर ट्रैफिक नियमों को लेकर जागरूकता फैलाई। इस दौरान जुलूस, बैंड और पेंटिंग प्रतियोगिताओं के विजेताओं के साथ आरएसपी शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। विजेताओं को जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त डॉ. ज्ञानेश्वर चव्हाण ने पुरस्कार प्रदान किए।

सड़क सुरक्षा के एंबेसडर बनने की अपील

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त डॉ. ज्ञानेश्वर चव्हाण ने नागरिकों से सड़क सुरक्षा सप्ताह का एंबेसडर बनने की अपील की। उन्होंने बताया कि 'सड़क सुरक्षा-लाइफ सेविंग' की अवधारणा पर आधारित इस अभियान का उद्देश्य सड़क हादसों में कमी लाना और नागरिकों, चालकों व छात्रों में जागरूकता बढ़ाना है। अभियान के तहत ट्रैफिक पुलिस, सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग और अन्य संस्थाओं के सहयोग से व्यापक जनजागरूकता गतिविधियां संचालित की गईं।

अजित दादा के प्रति संजय राऊत का प्यार पूतना मौसी जैसा : भाजपा

राऊत के बयान पर भाजपा का तीखा पलटवार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

भारतीय जनता पार्टी ने शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राऊत पर तीखा हमला बोला है। भाजपा प्रदेश मीडिया सेल प्रमुख नवनाथ बन ने कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के प्रति संजय राऊत का प्रेम पूतना मौसी जैसा है, जो दिखावे का है और भीतर से दुर्भावना से भरा हुआ है।

दरअसल, संजय राऊत ने सवाल उठाया था कि अजित पवार के निधन के तुरंत बाद उपमुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह को लेकर इतनी जल्दबाजी क्यों की गई। इस पर पलटवार करते हुए नवनाथ बन ने कहा कि राऊत ने अभद्र बयान देकर स्वर्गीय अजित पवार का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि पूरा महाराष्ट्र शोक में डूबा हुआ है और ऐसे समय में राऊत को राजनीति करने से बचना चाहिए था।

नकारात्मक राजनीति का आरोप

भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि संजय राऊत लगातार नकारात्मक बयानबाजी करते हैं और गलत जानकारी फैलाने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि राऊत पहले भी कई बार स्तरहीन भाषा में अजित दादा की आलोचना कर चुके हैं। वास्तव में उन्हें कभी भी अजित पवार से प्रेम नहीं था, बल्कि वे हमेशा उनसे नफरत करते रहे हैं।

नवनाथ बन ने कहा कि अजित पवार को जनता का व्यापक समर्थन मिल रहा था, इसी वजह से उद्धव ठाकरे, शिवसेना (यूबीटी) और संजय राऊत उनसे असहज रहते थे। उन्होंने कहा कि राऊत को इस मामले में दखल देने की कोई जरूरत नहीं है। भाजपा ने स्पष्ट किया कि किसी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के निधन के बाद उत्तराधिकारी के चयन की प्रक्रिया तय होती है। उन्होंने स्वर्गीय इंदिरा गांधी, जयललिता और मनोहर पर्रिकर का उदाहरण देते हुए कहा कि इन नेताओं के निधन के तुरंत बाद उनके उत्तराधिकारियों का शपथ ग्रहण हुआ था।

अमित शाह का नाम घसीटना अनुचित

नवनाथ बन ने कहा कि कठिन परिस्थितियों में पार्टी हित में निर्णय लेने पड़ते हैं। अजित पवार के निधन के बाद पार्टी नेतृत्व और उपमुख्यमंत्री पद से जुड़े फैसलों का भाजपा समर्थन करेगी। उन्होंने कहा कि बिना कारण केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का नाम लेना और यह कहना कि अगला फैसला उनके इशारे पर होगा, यह संजय राऊत की राजनीतिक और वैचारिक दिवालियापन को दर्शाता है।

बांद्रा टर्मिनस–भुज के बीच एक जोड़ी स्पेशल ट्रेन के फेरे विस्तारित

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के लिए बांद्रा टर्मिनस एवं भुज स्टेशनों के बीच एक जोड़ी स्पेशल ट्रेन के फेरों को विस्तारित किया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, ट्रेन संख्या 09037 बांद्रा टर्मिनस – भुज द्वि-साप्ताहिक स्पेशल को 26 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09038 भुज–बांद्रा टर्मिनस द्वि-साप्ताहिक स्पेशल को 27 फरवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09037 एवं 09038 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 01 फरवरी, 2026 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव के समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

सिंहस्थ कुंभ में समय और गुणवत्ता पर विशेष फोकस

मंत्री गिरीश महाजन ने दी चेतावनी

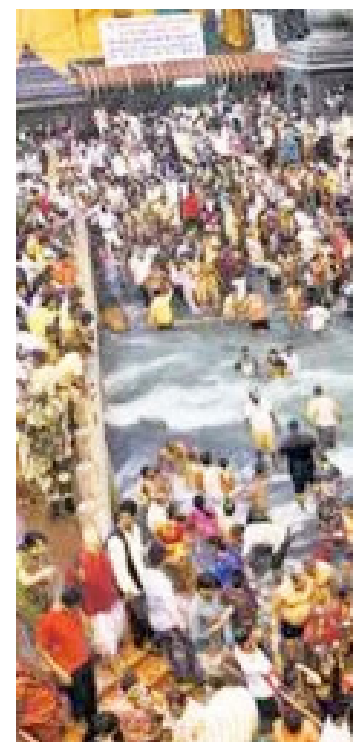

मुंबई । नासिक-त्र्यंबकेश्वर सिंहस्थ महाकुंभ के सफल आयोजन के लिए राज्य के जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन ने सभी संबंधित विभागों को कड़ा संदेश दिया है कि किसी भी कार्य में गुणवत्ता और समय से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि मेले के लिए किए जा रहे विकास कार्य उच्च गुणवत्ता के होने चाहिए और हर एजेंसी को "एक्शन मोड" में काम करना होगा।

मंत्री महाजन यह बात नासिक-त्र्यंबकेश्वर कुंभ मेला प्राधिकरण द्वारा आयोजित गुणवत्ता नियंत्रण कार्यशाला में बोलते हुए कही। इस अवसर पर कुंभ मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं विभागीय आयुक्त प्रवीण गेडाम, कुंभ मेला आयुक्त शेखर सिंह, नासिक नगर निगम आयुक्त मनीषा खत्री सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

भीड़ प्रबंधन और बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान

मंत्री महाजन ने कहा कि रामकुंड और त्र्यंबकेश्वर क्षेत्र सीमित हैं, जबकि श्रद्धालुओं की संख्या चार से पांच गुना तक बढ़ सकती है। ऐसे में भीड़ प्रबंधन और बुनियादी सुविधाओं का सटीक और वैज्ञानिक नियोजन आवश्यक है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उपलब्ध निधि का पूरा उपयोग होना चाहिए और किसी भी प्रकार के अपव्यय की अनुमति नहीं दी जाएगी।

मंत्री ने चेतावनी दी कि अगर सड़कों, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और गोदावरी स्वच्छता जैसे कार्यों में तकनीकी खामियां पाई गईं, तो संबंधित एजेंसियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि नागरिकों को अस्थायी असुविधा हो सकती है, लेकिन गुणवत्ता से समझौता बिल्कुल नहीं किया जाएगा। कार्यशाला में आईआईटी मुंबई के डॉ. धर्मवीर सिंह ने कंक्रीट और बिटुमिनस सड़कों के तकनीकी मानकों पर मार्गदर्शन दिया। विभागीय आयुक्त प्रवीण गेडाम और कुंभ आयुक्त शेखर सिंह ने गुणवत्ता नियंत्रण और इंजीनियरिंग डिज़ाइन पर जोर दिया।

विभिन्न अधिकारियों ने जल निकासी, निरीक्षण प्रक्रिया और NOC की प्रक्रिया पर विशेषज्ञ जानकारी साझा की। सरकारी विभागों और गुणवत्ता नियंत्रण संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

NCP की कमान को लेकर सियासी घमासान

राज ठाकरे का तंज—'पाटिल हो सकता है, पटेल नहीं'

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में एनसीपी नेता और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के बाद बड़ा सियासी उलटफेर देखने को मिल रहा है। जहां पहले दोनों एनसीपी गुटों के एक होने की अटकलें तेज थीं, वहीं अजित पवार के निधन के बाद हालात पूरी तरह बदल गए हैं। इसी बीच महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे की एक सोशल मीडिया पोस्ट ने एनसीपी की आंतरिक राजनीति पर नई बहस छेड़ दी है।

अजित पवार के निधन के बाद शनिवार को उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। वहीं, उनके बेटे पार्थ पवार को राज्यसभा भेजे जाने की चर्चाएं भी जोरों पर हैं। लेकिन इन सबके बीच सबसे बड़ा सवाल यही है कि अब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा।

शरद पवार का आरोप, पार्टी एकता में अड़चन

एनसीपी (एसपी) के वरिष्ठ नेता शरद पवार ने आरोप लगाया है कि एनसीपी के कुछ दूसरे दर्जे के नेता—विशेष रूप से सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल—दोनों गुटों को एक होने से रोक रहे हैं। इसी पृष्ठभूमि में राज ठाकरे की प्रतिक्रिया को अहम माना जा रहा है।

राज ठाकरे ने अपने एक्स (पूर्व ट्विटर) हैंडल पर लिखा,'महाराष्ट्र की राजनीति पिछले कुछ समय से पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो चुकी है। सच कहें तो इस पर टिप्पणी करने का भी मन नहीं करता। लेकिन आज जो घटनाक्रम सामने आ रहे हैं, उन पर बोलना जरूरी हो गया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी जैसे मराठी मिट्टी से जुड़े, जुझारू और संघर्षशील दल का अध्यक्ष कोई भी हो सकता है—वह मराठी हो, पाटिल हो सकता है, लेकिन पटेल नहीं।'इस टिप्पणी को सीधे तौर पर पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं पर तंज माना जा रहा है। गौरतलब है कि हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में एनसीपी के दोनों गुटों ने गठबंधन कर चुनाव लड़ा था। इसके बाद पार्टी एकीकरण की चर्चाएं तेज हो गई थीं। हालांकि 28 जनवरी 2026 को अजित पवार के निधन के बाद समीकरण पूरी तरह बदल गए। सूत्रों के मुताबिक, अजित पवार के निधन के कुछ ही घंटों बाद बीजेपी और अजित पवार गुट के नेताओं ने सुनेत्रा पवार को उपमुख्यमंत्री बनाने की कवायद शुरू कर दी थी। माना जा रहा है कि बीजेपी नेतृत्व को आशंका थी कि शरद पवार अजित पवार गुट को अपने साथ मिला सकते हैं।

शरद पवार को सुनेत्रा के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने की जानकारी नहीं थी : राकांपा नेता

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार (राकांपा-शप) की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष शशिकांत शिंदे ने शनिवार को कहा कि पार्टी प्रमुख शरद पवार को राकांपा नेता सुनेत्रा पवार के राज्य की उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के फैसले के बारे में पहले से जानकारी नहीं थी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की 28 जनवरी को बारामती में एक विमान हादसे में मौत हो गई थी। उनकी पत्नी सुनेत्रा (62) ने शनिवार को महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। शिंदे ने मुंबई में संवाददाताओं से कहा,'दोनों गुटों के विलय को लेकर बैठकें हुई थीं, लेकिन अजित दादा अब हमारे बीच नहीं हैं। कुछ बड़े मुद्दों पर पहले चर्चा हुई थी। अब हम इस बात पर चर्चा करेंगे कि क्या करना आवश्यक है और फिर निर्णय लेंगे। अन्य नेताओं की प्रतिक्रिया उनकी अपनी होगी।' शिंदे ने सुनेत्रा के शपथ ग्रहण समारोह को जल्दबाजी में आयोजित किए जाने के

सवाल पर कहा कि इसका जवाब उनके परिवार, पार्टी के वरिष्ठ नेताओं या मुख्यमंत्री और उनके सहयोगियों को देना चाहिए। उन्होंने कहा,'अजित पवार का निधन महाराष्ट्र के लिए एक बड़ी क्षति है। जब राज्य शोक में डूबा हुआ है, तब यह निर्णय क्यों लिया गया, इसके बारे में हमें कई जानकारी नहीं है। उन्हें ही इसका स्पष्टीकरण देना होगा।'शिंदे ने कहा कि शरद पवार को सुनेत्रा के शपथ ग्रहण के बारे में पहले से जानकारी नहीं थी।

सुनेत्रा पवार को परिवार साथ लेकर चलना चाहिए : मनोज जरांगे पाटिल

उपमुख्यमंत्री बनना पार्टी का आंतरिक मामला, राजनीतिक हालात में सतर्कता जरूरी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे पाटिल ने कहा है कि सुनेत्रा पवार का उपमुख्यमंत्री बनना उनकी पार्टी का आंतरिक विषय है। उन्होंने इसे सकारात्मक बताते हुए कहा कि यह अच्छी बात है कि वह महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री बनी हैं, लेकिन मौजूदा राजनीतिक हालात में उन्हें सतर्क रहना होगा और परिवार को साथ लेकर चलना चाहिए।

जरांगे पाटिल ने कहा कि राजनीति में अचानक सक्रिय हुए लोगों से सावधान रहना जरूरी है। उन्होंने टिप्पणी करते हुए कहा, "जो लोग पहले अजित दादा के साथ नहीं दिखते थे, वे अब सामने आ रहे हैं। ऐसे गिद्धों और बदमाशों पर नजर रखना जरूरी है।" उन्होंने यह भी कहा कि अब सबको साथ लेकर चलने का समय है।

पार्थ-जय पवार को दी गई सलाह का सम्मान हो

उन्होंने कहा कि अगर अजित पवार ने पार्थ पवार और जय पवार को कोई सलाह दी है, तो उन्हें उसका पालन करना चाहिए। मौजूदा परिस्थितियों में पारिवारिक एकजुटता ही सबसे बड़ा सहारा बनती है।

शरद पवार द्वारा शपथग्रहण समारोह की जानकारी न होने संबंधी बयान पर जरांगे पाटिल ने कहा कि यह उनकी रणनीति हो सकती है और इस पर वे कुछ नहीं कहना चाहते। हालांकि, उन्होंने दोहराया कि सुनेत्रा पवार को पूरे पवार परिवार को साथ लेकर चलना चाहिए, क्योंकि कठिन समय में परिवार ही सबसे ज्यादा मददगार साबित होता है। जरांगे पाटिल ने कहा कि राजनीति में हालात तेजी से बदलते हैं और ऐसे में परिवार एक मजबूत ढाल की तरह काम करता है। इसलिए सुनेत्रा पवार को सावधानी और संतुलन के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

मध्य रेल
भुसावल मंडल
ई–निविदा सूचना
सं.: मं.रे.प्र.(कार्य) भुसावल/03/2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबंधक (कार्य) मध्य रेल, भुसावल द्वारा पंजीकृत निविदाकारों के लिए ई–निविदा निम्नलिखित कार्यों के लिए आमंत्रित किया जाता है जो इस वेबसाइट **www.ireps.govin** पर उपलब्ध हैं/देखे जा सकते हैं। **1. ई–निविदा संख्या:** DRM W BSL 03 2026t1 (संक्षिप्त नाम) **कार्य का नाम:** अनुसूची (1): नाशिक–कुंभ मेला–2027 के संबंध में नाशिक में पर्यवेक्षकों के विश्राम गृह का निर्माण। (परियोजना आईडी: 01.01.64.25.3.50.015) अनुसची (2): नाशिक–कुंभ मेल–2027 के संबंधा में नाशिक में एनकेआरडी के विद्यमान अधिकारियों के विश्राम गृह (ओआरएच) का नवीनीकरण। (परियोजना आईडी: 01.01.64.25.3.50.014) **अनुमानित लागत:** रु. 2,61,93,339.98 **बोली प्रतिभूति:** रु. 2,81,100/- **2. ई–निविदा संख्या:** DRM W BSL 03 2026t2 (संक्षिप्त नाम) **कार्य का नाम:** बीएसएल–बीडी खंड में एटी वेल्डिंग द्वारा रेल जोड़ों (2670 संख्या) की वेल्डिंग। **अनुमानित लागत:** रु. 1,18,27,810.16 **बोली प्रतिभूति:** रु. 2,09,100/- **3. ई–निविदा संख्या:** DRM W BSL 03 2026t3 (संक्षिप्त नाम) **कार्य का नाम:** ओढा में अप (UP) एवं डाउन (DN) दोनों दिशाओं के लिए लॉन्ग हॉल एवं स्टेबलिंग लाइन हेतु पहुंच मार्ग (एप्रोच रोड) का प्रावधान। **अनुमानित लागत:** रु. 4,12,42,968.78 **बोली प्रतिभूति:** रु. 3,56,200/- **4. ई–निविदा संख्या:** DRM W BSL 03 2026t4 (संक्षिप्त नाम) **कार्य का नाम:** अनुसूची (1): कुंभ मेला–2027 के संबंध में DVL, OD, KW एवं KBSN में प्रस्तावित कैम्प कार्यालयों का निर्माण। (परियोजना आईडी: 01.01.64.25.3.50.013) अनुसची (2): नासिक–नासिक में 02 OC भवनों का निर्माण अनुसूची (3): देवलाली–देवलाली में OC भवन का निर्माण। **अनुमानित लागत:** रु. 6,23,05,465.40 **बोली प्रतिभूति:** रु. 4,61,500/- **Notes: (i)** निविदा अनुक्रमांक 1,3,4 की अंतिम तिथि **24.02.2026** समय **15:00 बजे** तक एवं निविदा अनुक्रमांक 2 की अंतिम तिथि **17.02.2026** समय **15:00 बजे** तक। **(ii)** संभावित निविदाकारों से अनुरोध है वे निविदाओं और शुद्धिपत्र, यदि कोई हो तो अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देख सकते हैं। **(iii)** निविदा सूचना मं.रे.प्र. (कार्य) कार्यालय, भुसावल के नोटिस बोर्ड पर भी लगाई गई है। **(iv)** निविदाकार उपर्युक्त ई–निविदा में केवल वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप से भाग ले सकते हैं और ई–निविदा के लिए मैन्युअल ऑफर प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं है। यदि कोई मैन्युअल ऑफर प्रस्तुत किया जाता है तो उसे न तो खोला जाएगा और न ही उस पर विचार किया जाएगा। **(v)** निविदा दस्तावेज और EMD की लागत का भुगतान IREPS पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन भुगतान प्रणाली जैसे कि नेट बैंकिंग, डेबिट/क्रेडिट कार्ड आदि से किया जा सकता है। **DE/88**

सुरक्षित यात्रा करें,
फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

पश्चिम रेलवे
कॉइल स्प्रिंग एवं लोड डिफ्लेक्शन टेस्टिंग मशीन के लिए

सहायक विद्युत अभियंता,ईएमयू कार्यशाला, महालक्ष्मी, मुंबई–13 **निविदा सूचना क्रमांक: EL90-MX-2024-25-08-M-RT2 दिनांक: 28.01.2026 आमंत्रित करते हैं। कार्य का नाम एवं स्थान:** ईएमयू कार्यशाला, महालक्ष्मी के मशीन शॉप में स्थापित 20 टन क्षमता की कॉइल स्प्रिंग एवं लोड डिफ्लेक्शन टेस्टिंग मशीन के लिए कार्यक्षेत्र (Scope of Work) के अनुसार 02 वर्षों हेतु व्यापक वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध **अनुमानित कार्य लागत:** 5,25,872/- ईएमडी : 10,500/- **ई-बिड ऑनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 20.02.2026 को अपराह्न 14:00 बजे तक **ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** 20.02.2026 को अपराह्न 14:00 बजे निविदा प्रपत्र, शुद्धिपत्र (Corrigendum) एवं अन्य विवरण हेतु वेबसाइट देखें: **www.ireps.gov.in** 1072

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
विद्युत आपूर्ति हेतु सिंगल कनेक्शन

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (कोचिंग),मुंबई सेंट्रल–08 **निविदा सूचना क्रमांक:WR-MMCTOECA (ECTD)/57/2025-0/0SRDEE/CHG/MMCT/W (कंप्यूटर क्रमांक: 685227) आमंत्रित करते हैं। कार्य का नाम:** एलएचबी एसी कोचों के स्विचबोर्ड कैबिनेट में एसी यूनिट के MPCB के लिए विद्युत आपूर्ति वितरण हेतु सिंगल कनेक्शन व्यवस्था प्रदान करने का कार्य, जो RDSO संशोधन पत्रक क्रमांक RDSO/PE/MS/AC/097-2025 (संशोधन-0) के अनुरूप हो। **अनुमानित कार्य लागत:** 9,93,796/- **बिड सुरक्षा** (Bid Security): 19,900/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 26.02.2026 को अपराह्न 15:00 बजे तक निविदा खोलने की तिथि एवं समय: 26.02.2026 को अपराह्न 15:30 बजे अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट देखें: **www.ireps.gov.in** 1068

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
डिसिल्टिंग कार्य एवं जल-स्तर मापक (Water Level Gauge) की स्थापना

वरिष्ठ मंडल अभियंता (दक्षिण), मुंबई सेंट्रल, मुंबई–400008 वर्ष 2025 से 2026 की अवधि हेतु निम्न कार्यों के लिए **क्रमांक 1: ई-निविदा सूचना क्रमांक: BCT/25-26/308 दिनांक: 29.01.2026 आमंत्रित करते है। चर्चगेट–विरार खंड** कार्य और क्षेत्र वर्ष 25-26 के लिए बोरीवली एवं भयंदर सेक्शन में SSE (P. Way) के अंतर्गत केंद्रीय/पार्श्व नालियों, मैनहोल आदि की सफाई (डिसिल्टिंग) का कार्य, जिसमें JCB, पेवमेंट ब्रेकर एवं पोकलेन मशीन की सेवाएं शामिल हैं। **कार्य की लागत:** 56,67,602.57 **अनुमानित लागत:** 1,13,400/- **ई-निविदा सूचना क्रमांक:** BCT/25-26/309 दिनांक: 29.01.2026 **कार्य एवं स्थान:** चर्चगेट–विरार खंड कार्य का विवरण: चर्चगेट–विरार सेक्शन में निम्न पुलों पर स्वचालित जल-स्तर मापक (Automatic Water Level Gauge) की आपूर्ति एवं स्थापना का कार्य: पुल क्रमांक 20 (माहीम जं.–बांद्रा जं.) पुल क्रमांक 66 (बोरीवली–दहिसर) पुल क्रमांक 72 (दहिसर–मीरा रोड) पुल क्रमांक 75 (भयंदर–नायगांव) ईएमडी: (निविदा दस्तावेज अनुसार) **अनुमानित कार्य लागत:** 20,70,516.96 ईएमडी (Earnest Money Deposit): 41,400/- **दोनों निविदाओं को जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 24.02.2026 को अपराह्न 15:00 बजे तक दोनों **निविदाओं को खोलने की तिथि एवं समय:** 24.02.2026 को अपराह्न 15:30 बजे अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट देखें: **www.ireps.gov.in** 1071

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

देश का पहला एडवोकेट ट्रेनिंग एंड रिसर्च सेंटर शुरू

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र और गोवा बार काउंसिल द्वारा स्थापित भारत के पहले 'भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर एडवोकेट ट्रेनिंग एंड रिसर्च सेंटर' (BBATRC) का उद्घाटन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और पूर्व CJI भूषण आर. गवई की उपस्थिति में नवी मुंबई के तलोजा में हुआ।सीएम फडणवीस ने इसे ऐतिहासिक कदम बताया और कहा कि अब तक देश में केवल जजों के प्रशिक्षण के लिए एकेडमी थी, लेकिन वकीलों के लिए पहली बार इस तरह की पहल की गई है। यह सेंटर कानूनी शिक्षा और कोर्ट क्राफ्ट के बीच के गैप को भरने में अहम भूमिका निभाएगा।

इस फंक्शन की अध्यक्षता बॉम्बे हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस चंद्रशेखर ने की। समारोह

में मेघालय हाई कोर्ट की चीफ जस्टिस रेवती मोहिते-डेरे, भारत के एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एडवोकेट अनिल सिंह, महाराष्ट्र के एडवोकेट जनरल डॉ. मिलिंद साठे और गोवा के एडवोकेट जनरल एडवोकेट देवीदास पंगम उपस्थित रहे।

सीएम फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार लीगल ट्रेनिंग और रिसर्च को उच्च प्राथमिकता दे रही है। सरकार की जमीन का उपयोग कर कम समय में यह बेहतरीन संरचना तैयार की गई। उन्होंने बताया कि आने वाले बजट सेशन में सेंटर के लिए 10 करोड़ रुपये की ग्रांट दी जाएगी।

फडणवीस ने वकीलों और प्रॉसिक्यूटर्स को बदलते कानूनों, नए क्रिमिनल कानूनों, AI और टेक्नोलॉजी के सही उपयोग से निपटने के लिए प्रशिक्षित करने का महत्व बताया। उन्होंने पूर्व डिप्टी सीएम अजित पवार को उनके योगदान के लिए श्रद्धांजलि भी दी।

समारोह की शुरुआत वरिष्ठ वकील और बीसीएमजी के अध्यक्ष हर्षद निंबालकर ने की। इस अवसर पर न्यायमूर्ति बीबी चव्हाण को 'विधि महर्षि पुरस्कार' से सम्मानित किया गया, जबकि अमरावती के सिविल वकील ज्ञानेश्वर बावरेकर का मरणोपरांत पुरस्कार उनके पुत्र एडवोकेट संजय बावरेकर ने स्वीकार किया।

समारोह में बार काउंसिल ऑफ महाराष्ट्र एंड गोवा (बीसीएमजी) के उपाध्यक्ष एडवोकेट जयंत डी. जायभावे, BBATRC के अध्यक्ष एडवोकेट डॉ. उदय पी. वारुंजिकर, बार काउंसिल ऑफ इंडिया (BCI) के सदस्य एडवोकेट आशीष पी. देशमुख, उपाध्यक्ष एडवोकेट संग्राम डी. देसाई, वरिष्ठ अधिवक्ता और कई अन्य नामचीन वकील उपस्थित थे।

संपादकीय

राजनीति का यह कैसा समय है?

अजित पवार की मृत्यु के बाद घटित घटनाक्रम ने महाराष्ट्र की राजनीति को एक बार फिर कठघरे में खड़ा कर दिया है। शोक की घड़ी अभी बीती भी नहीं थी कि सत्ता से जुड़ा एक बड़ा फैसला सामने आ गया। पहला और सबसे स्वाभाविक सवाल यही उठता है कि इतनी जल्दबाजी आखिर क्यों की गई? क्या चार दिन का समय भी राजनीति के लिए बहुत लंबा हो गया था, या फिर सत्ता का खालीपन इतना भयावह था कि मानवीय संवेदनाओं को दरकिनार करना जरूरी समझा गया? किसी भी परिवार के लिए अपनों को खोने का दुख निजी होता है, लेकिन जब वह परिवार राजनीति के केंद्र में हो, तो उसका हर निर्णय सार्वजनिक जांच के दायरे में आ जाता है। अजित पवार की मृत्यु के चौथे दिन उनकी पत्नी को जिम्मेदारी सौंपे जाने का फैसला संवेदना से अधिक रणनीति जैसा प्रतीत हुआ। यह निर्णय लोगों के मन में सहानुभूति के बजाय सवाल पैदा कर गया। क्या यह सत्ता को स्थिर रखने की मजबूरी थी, या फिर राजनीतिक उत्तराधिकार की जल्दबाजी? इस पूरे प्रकरण को और जटिल बना दिया शरद पवार के बयान ने। जिस नेता के बारे में यह खबरें आईं कि वे भतीजे के गम में अस्पताल में भर्ती हुए, उसी नेता ने इस निर्णय को सार्वजनिक रूप से "जल्दबाजी में लिया गया फैसला" बता दिया। यह बयान केवल एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं है, बल्कि यह सत्ता के भीतर चल रही बेचैनी और असहमति का संकेत भी है। सवाल यह है कि यदि यह फैसला गलत था, तो इसे रोका क्यों नहीं गया? और यदि रोका नहीं जा सकता था, तो फिर इसकी सार्वजनिक आलोचना क्यों की गई? यहीं से राजनीति और मानवता के रिश्ते पर बड़ा प्रश्न खड़ा होता है। क्या राजनीति में रिश्ते, संवेदना और नैतिकता का कोई स्थान नहीं बचा है? क्या हर परिस्थिति को केवल सत्ता प्रबंधन के नजरिये से ही देखा जाएगा? लोकतंत्र का मूल स्वभाव केवल चुनाव जीतना या सरकार बनाना नहीं होता, बल्कि वह समाज को एक नैतिक दिशा भी देता है। जब नेता स्वयं संवेदनहीन निर्णयों के उदाहरण बन जाएं, तो समाज से संयम और धैर्य की अपेक्षा करना खोखला लगने लगता है। राजनीति का मुख्य कार्य जनता को सही दिशा देना होता है। नेतृत्व का अर्थ केवल निर्णय लेना नहीं, बल्कि यह भी तय करना होता है कि कौन सा समय निर्णय के लिए उचित है। शोक के समय लिया गया कोई भी फैसला, चाहे वह कितना ही व्यावहारिक क्यों न हो, अपनी वैधता खो देता है यदि उसमें संवेदना का अभाव दिखे। सत्ता की निरंतरता जरूरी है, लेकिन क्या वह इंसानियत से ऊपर हो सकती है? आज जनता केवल यह नहीं देख रही कि कौन किस पद पर बैठा, बल्कि यह भी देख रही है कि सत्ता के पीछे दौड़ते ये कैसे नेता हैं और भविष्य में कैसा नेतृत्व देंगे। क्या यह नेतृत्व संकट के समय समाज को जोड़ने वाला होगा, या फिर हर संकट को राजनीतिक अवसर में बदलने वाला? लोकतंत्र में नेतृत्व का मूल्य कुर्सी से नहीं, आचरण से तय होता है। यह घटनाक्रम इस बात का संकेत है कि राजनीति एक खतरनाक मोड़ पर खड़ी है, जहां भावनाएं असुविधा बनती जा रही हैं और संवेदनाएं बाधा। यदि यही प्रवृत्ति जारी रही, तो सत्ता तो चलती रहेगी, लेकिन जनता का भरोसा धीरे-धीरे खिसकता चला जाएगा। और जिस दिन भरोसा टूटता है, उस दिन सबसे मजबूत सत्ता भी खोखली हो जाती है। अंततः सवाल किसी एक फैसले या एक व्यक्ति का नहीं है। सवाल उस राजनीति का है जो यह तय कर रही है कि भविष्य में लोकतंत्र केवल सत्ता का गणित रहेगा या फिर मानवता, रिश्तों और मूल्यों का भी कोई स्थान बचेगा। जनता इस सवाल का जवाब देख रही है, समझ रही है और याद रखेगी।

रील और रियल लाइफ के बीच खोता समाज

आलोक सिंह
अपर जिला सहकारी अधिकारी
तहसील ऊंचाहार
जनपद रायबरेली

आज जब हम किसी सार्वजनिक स्थान, जैसे बस, मेट्रो या पार्क में होते हैं, तो एक सामान्य दृश्य दिखाई देता है—सैकड़ों उंगलियाँ मोबाइल स्क्रीन पर ऊपर की ओर स्क्रॉल कर रही हैं। हर 15 से 30 सेकंड में बदलता संगीत, नाचते हुए लोग और क्षणिक हँसी। यह 'शॉर्ट-फॉर्म वीडियो' या 'रील्स' का युग है। मनोरंजन, जो कभी दिन भर की थकान मिटाने का एक साधन था, आज जीवन का मुख्य उद्देश्य बनता जा रहा है। समाज में बढ़ती यह 'मनोरंजन की लत' और गंभीरता का निरंतर होता ह्रास एक गहरे संकट की ओर इशारा कर रहा है। विभिन्न वैश्विक और भारतीय शोध रिपोर्टों के अनुसार, एक औसत भारतीय प्रतिदिन लगभग 3 से 5 घंटे सोशल मीडिया पर बिता रहा है।

ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ORF) की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में दुनिया के सबसे अधिक इंस्टाग्राम और यूट्यूब उपयोगकर्ता हैं। चिंताजनक तथ्य यह है कि इनमें से 60% से अधिक समय केवल मनोरंजन और रील्स देखने में व्यतीत होता है। 'माइक्रोसॉफ्ट' के एक अध्ययन के अनुसार, मनुष्यों का अटेंशन स्पैन (एकाग्रता की अवधि) जो 2000 के दशक में 12 सेकंड था, अब घटकर मात्र 8 सेकंड रह गया है—यह एक गोल्डफिश (9 सेकंड) से भी कम है। इसका सीधा कारण 15 सेकंड के वीडियो का उपभोग है, जो मस्तिष्क को त्वरित 'डोपामाइन' (खुशी देने वाला हार्मोन) का आदी बना रहा है। समाज की नींव गंभीर विमर्श, गहन अध्ययन और बौद्धिक विनिमय पर टिकी होती है। लेकिन वर्तमान में 'इन्फोटेनमेंट' के नाम पर सतही ज्ञान परोसा जा रहा है। लोग जटिल वैश्विक समस्याओं, जलवायु परिवर्तन, अर्थव्यवस्था या सामाजिक न्याय जैसे विषयों पर 300 पन्नों की किताब पढ़ने के बजाय 30 सेकंड की रील देखकर अपनी राय बना रहे हैं। जब समाज गंभीरता से दूर होता है, तो उसकी निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित होती है। रील पर नाचते लोग और उन्हें करोड़ों की संख्या में देखते दर्शक इस बात का प्रमाण हैं कि अब 'प्रसिद्धि' का पैमाना प्रतिभा या ज्ञान नहीं, बल्कि केवल ध्यान खींचने वाली विचित्रता (Attention-grabbing antics) बन गया है। युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर इसका प्रभाव सबसे विनाशकारी है। हमारा मस्तिष्क 'डोपामाइन' के आधार पर काम करता है। जब कोई युवा रील स्वाइप करता है, तो मस्तिष्क में डोपामाइन का एक तेज़ प्रवाह होता है, जो उसे एक 'रिवॉर्ड लूप' में फँसा देता है। अध्ययनों के अनुसार, यह लत मस्तिष्क के 'प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स' को प्रभावित करती है, जो निर्णय लेने के लिए जिम्मेदार है। 'रॉयल सोसाएटी फॉर पब्लिक हेल्थ' के एक सर्वे में पाया गया कि इंस्टाग्राम युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य के लिए सबसे हानिकारक ऐप है। लगभग 70% युवा यह महसूस करते हैं कि रील देखकर उनमें 'बॉडी डिस्मॉर्फिया' और हीन भावना पैदा होती है। रात के अंधेरे में घंटों स्क्रॉल करने से 'मेलाटोनिन' का स्तर गिरता है, जिससे नींद की कमी और गंभीर अवसाद (Depression) के मामले बढ़ रहे हैं। सबसे बड़ा नुकसान हमारे सामाजिक ढांचे और मानवीय संवेदनाओं को हो रहा है। रील की दुनिया में 'दिखावा' सर्वोपरि है। संवेदनशीलता का स्तर इतना गिर गया है कि आज सड़क पर दुर्घटना होने पर लोग मदद करने के बजाय उसका वीडियो बनाने या 'लाइव' आने में व्यस्त हो जाते हैं। जब मनोरंजन ही जीवन का केंद्र बन जाए, तो दूसरों का दुख केवल एक 'कंटेंट' बनकर रह जाता है। लोग वह नहीं सोचते जो सही है, बल्कि वह करते हैं जो 'ट्रेंड' में है। यह सामूहिक मूर्खता (Mass Superficiality) की ओर ले जाने वाला रास्ता है।किसी भी राष्ट्र की प्रगति उसकी 'बौद्धिक पूंजी' पर निर्भर करती है। भारत जैसे देश के लिए, जिसके पास दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी है, यह स्थिति और भी नाजुक है। यदि युवा शक्ति का अधिकांश समय रील बनाने या देखने में जा रहा है, तो वह कौशल विकास (Skill Development) और नवाचार (Innovation) से दूर हो रही है। हम उपभोक्ताओं का एक ऐसा समाज बनते जा रहे हैं जो केवल दूसरों का बनाया कंटेंट देख रहा है, न कि स्वयं कुछ सार्थक सृजित कर रहा है। 'अटेंशन इकोनॉमी' में बड़ी कंपनियां हमारे समय को बेचकर मुनाफा कमा रही हैं, जबकि सामान्य नागरिक अपनी सोचने की शक्ति और उत्पादक घंटे खो रहा है। प्राचीन रोम में एक कहावत थी— 'पैनम एट सर्केंसेस' (रोटी और सर्कस)। इसका अर्थ था कि यदि जनता को मुफ्त भोजन और भरपूर मनोरंजन दिया जाए, तो वे सरकार की गलतियों और समाज की गंभीर समस्याओं पर ध्यान देना बंद कर देंगे। आज की रील संस्कृति वही 'डिजिटल सर्कस' है। जब एक पीढ़ी केवल मनोरंजन में मशगूल रहती है, तो वह लोकतंत्र के प्रति अपनी जवाबदेही और अधिकारों के प्रति अपनी जागरूकता खो देती है। यह किसी भी जीवंत समाज के लिए सबसे बड़ा खतरा है। मनोरंजन बुरा नहीं है, लेकिन जब यह 'उन्माद' बन जाए, तो समाज का बौद्धिक पतन निश्चित है। इतिहास गवाह है कि जिन सभ्यताओं ने विलासिता और सतही मनोरंजन को गंभीरता और अनुशासन से ऊपर रखा, वे समय के साथ मिट गईं। हमें यह समझने की जरूरत है कि रील की 15 सेकंड की दुनिया वास्तविक नहीं है। वास्तविक जीवन संघर्षों, गहरी संवेदनाओं और गंभीर प्रयासों से बनता है। समाज को पुनर्निर्माण के लिए 'डिजिटल साक्षरता' और 'डिजिटल डिटॉक्स' की सख्त आवश्यकता है। हमें अपनी युवा पीढ़ी को यह सिखाना होगा कि 'लाइक्स' और 'व्यूज' से ऊपर भी एक दुनिया है, जहाँ ज्ञान की गहराई और चरित्र की गंभीरता मायने रखती है। यदि हम आज नहीं संभले, तो हम एक ऐसे समाज में बदल जाएंगे जो हर त्रासदी पर केवल नाच सकता है, पर उसे सुलझाने का सामर्थ्य खो चुका होगा।

जीवन मंत्र

भीतर की ओर ले जाता है ध्यान

जब हम स्वयं को भीतर से जान लेते हैं, तो बाहरी संसार की असफलताएं और दुःख हमें विचलित नहीं कर पाते क्योंकि हमें अपनी अटूट आंतरिक शक्ति का आभास हो जाता है। ध्यान की शुरुआत अत्यंत सरल है, जिसमें केवल कुछ मिनटों का मौन और अपनी आती-जाती सांसों के प्रति सजगता ही पर्याप्त है।

ध्यान एक ऐसी आंतरिक यात्रा है जो हमें बाहर के कोलाहल से हटाकर स्वयं के शांत केंद्र की ओर ले जाती है। आज की आपाधापी भरी दुनिया में हमारा मन अक्सर अतीत के पछतावे या भविष्य की चिंताओं में उलझा रहता है, जिससे हम वर्तमान के वास्तविक आनंद को खो देते हैं। ध्यान हमें विचारों को जबरदस्ती रोकने के बजाय उन्हें तटस्थ भाव से देखना सिखाता है, जिससे मन के भीतर जमा अनावश्यक तनाव और भ्रम के बादल छंटने लगते हैं। जब हम शांत होकर बैठते हैं और अपनी श्वास की लय से जुड़ते हैं, तो धीरे-धीरे वह मानसिक स्पष्टता जन्म लेती है जो हमें कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी स्थिर और संतुलित बनाए रखती है। इस अभ्यास की सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि इसके लिए हमें अपनी सांसारिक जिम्मेदारियों को छोड़ने की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि यह हमें अपने कर्तव्यों को और अधिक कुशलता से निभाने की शक्ति प्रदान करता है। नियमित ध्यान से हमारे भीतर करुणा, धैर्य और आत्मविश्वास जैसे गुणों का स्वतः ही विकास होने लगता है। यह हमें यह बोध कराता है कि सुख और शांति किसी बाहरी वस्तु या व्यक्ति पर निर्भर नहीं हैं, बल्कि यह हमारे अपने भीतर का एक निरंतर बहने वाला झरना है। जब हम स्वयं को भीतर से जान लेते हैं, तो बाहरी संसार की असफलताएं और दुःख हमें विचलित नहीं कर पाते क्योंकि हमें अपनी अटूट आंतरिक शक्ति का आभास हो जाता है। ध्यान की शुरुआत अत्यंत सरल है, जिसमें केवल कुछ मिनटों का मौन और अपनी आती-जाती सांसों के प्रति सजगता ही पर्याप्त है। जैसे-जैसे यह हमारे जीवन का हिस्सा बनता है, हमारी एकाग्रता बढ़ने लगती है और हम हर कार्य को पूर्ण जागरूकता के साथ करना सीखे जाते हैं।

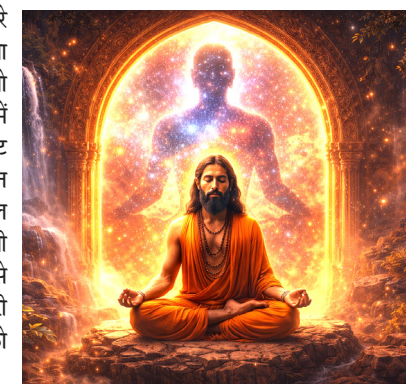

शख्सियत | गैब्रियल बैटिस्टुटा

संघर्ष, वफादारी और अदम्य साहस की महागाथा

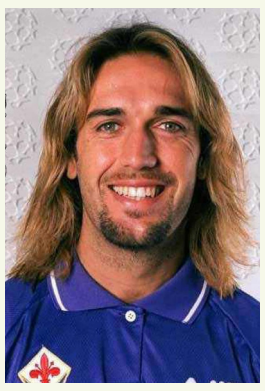

1 फरवरी, 1969 को अर्जेंटीना के सांता फे प्रांत के अवेलानेडा शहर में जन्मे गैब्रियल उमर बैटिस्टुटा का शुरुआती जीवन एक साधारण मध्यमवर्गीय परिवार में बीता। बचपन में उन्हें फुटबॉल से अधिक बास्केटबॉल पसंद था।

लेकिन 1978 में जब अर्जेंटीना ने अपनी धरती पर विश्व कप जीता, तो 9 वर्षीय गैब्रियल के भीतर फुटबॉल का जुनून पैदा हुआ। उनके करियर की शुरुआत संघर्षों से भरी थी; जब वे 'न्यूवेल्स ओल्ड बॉयज' क्लब में आए, तो कोच उन्हें उनके अधिक वजन के कारण 'एल गॉर्डो' (मोटा) कहते थे। लेकिन उन्होंने अपनी फिटनेस और तकनीक पर इतनी मेहनत की कि जल्द ही वे अर्जेंटीना के सबसे घातक स्ट्राइकर बन गए और देश के दो सबसे बड़े क्लबों, 'रिवर प्लेट' और 'बोका जूनियर्स' के लिए खेलकर अपनी पहचान बनाई। बैटिस्टुटा के करियर का सबसे सुनहरा अध्याय इटली के क्लब फियोरेंटीना के साथ शुरू हुआ। 1991 में वहां शामिल होने के बाद, वे अगले नौ वर्षों तक उस शहर की धड़कन बने रहे। उनकी वफादारी की मिसाल आज भी दी जाती है; जब 1993 में फियोरेंटीना दूसरे डिवीजन (Serie B) में चली गई, तब दुनिया के सभी बड़े क्लब उन्हें करोड़ों के ऑफर दे रहे थे, लेकिन बैटिस्टुटा ने अपनी टीम को संकट में छोड़ने से इनकार कर दिया। उन्होंने न केवल टीम को वापस पहले डिवीजन में पहुँचाया, बल्कि क्लब के इतिहास में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी भी बने। उनके शक्तिशाली 'पावर शॉट्स' और मैदान पर उनके दहाड़ने के अंदाज़ के कारण प्रशंसकों ने उन्हें 'बैटिगोल' और 'द लॉयन' जैसे नामों से नवाजा। उनके सम्मान में फ्लोरेंस शहर में उनकी एक कांस्य प्रतिमा भी स्थापित की गई। अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम के लिए बैटिस्टुटा का योगदान अतुलनीय रहा। उन्होंने 78 मैचों में 56 गोल किए और लंबे समय तक अर्जेंटीना के 'ऑल-टाइम टॉप स्कोरर' बने रहे (बाद में लियोनेल मेस्सी ने यह रिकॉर्ड तोड़ा)। उन्होंने 1991 और 1993 में अपनी टीम को कोपा अमेरिका चैंपियन बनाया। मैदान पर उनकी ऊर्जा इतनी अधिक थी कि वे गेंद को नेट में भेजने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार रहते थे। हालांकि, इसी जुनून की कीमत उन्हें अपने शरीर से चुकानी पड़ी। उनके खेलने का अंदाज़ इतना आक्रामक था कि वे अक्सर चोटिल होने के बावजूद खेलते रहे, जिसके कारण उनके टखनों (Ankles) की कार्टिलेज पूरी तरह घिस गई और उनकी हड्डियाँ आपस में टकराने लगीं। 2005 में कतर के 'अल-अरबी' क्लब से संन्यास लेने के बाद, बैटिस्टुटा का जीवन एक भयानक मोड़ पर आ गया। वे फुटबॉल के इतिहास के ऐसे योद्धा थे जिन्होंने मैदान पर अपना सब कुछ झोंक दिया था, लेकिन संन्यास के बाद वे चलने-फिरने में भी असमर्थ हो गए। दर्द इतना असहनीय था कि उन्होंने अपने डॉक्टर से यहां तक कह दिया था कि ₹मेरे पैर काट दो, मैं यह दर्द अब और नहीं सह सकता। यह एक महान एथलीट के जीवन का सबसे दर्दनाक समय था। हालांकि, कई जटिल सर्जरी और टखनों में कृत्रिम जोड़ (Prosthetics) लगने के बाद, अपनी उसी पुरानी जुझारू प्रवृत्ति के दम पर उन्होंने फिर से चलना सीखा। आज वे एक सफल उद्यमी हैं और पोलो जैसे खेलों में सक्रिय रहते हैं। उनका जन्म से लेकर अब तक का सफर यह सिखाता है।

जीवन ऊर्जा | बोरिस येल्तसिन : जन्म 1 फरवरी 1931 | जन्म

आजादी का मतलब जिम्मेदारी भी है

बोरिस येल्तसिन का जन्म 1 फरवरी, 1931 को रूस के बुटका गांव में हुआ था। वे रूस के पहले निर्वाचित राष्ट्रपति बने, जिन्होंने सोवियत संघ के पतन के बाद देश की कमान संभाली। 23 अपैल, 2007 को मास्को में हृदय गति रुकने से उनका निधन हो गया। उन्हें रूस में साम्यवाद को समाप्त कर लोकतंत्र की नींव रखने के लिए याद किया जाता है।

रूस अपनी नियति खुद तय करेगा क्योंकि लोकतंत्र का कोई विकल्प नहीं है। आप संगीनों पर सिंहासन बना सकते हैं, लेकिन उन पर बैठ नहीं सकते। स्वतंत्रता एक भारी बोझ है जिसे केवल मजबूत कंधे ही उठा सकते हैं और रूसी लोग एक महान भविष्य के हकदार हैं। सुधार हमेशा दर्दनाक होते हैं, लेकिन वे अनिवार्य हैं। इतिहास गवाह है कि जो लोग समय पर नहीं बदलते, वे पीछे छूट जाते हैं। एक नेता को जनता के दिल की धड़कन सुननी चाहिए और हमें अतीत की जंजीरों को तोड़कर भविष्य की ओर देखना होगा। लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव नहीं, बल्कि नागरिक अधिकार है। रूस का भविष्य केवल एक लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में है और मैं इसकी गरिमा के लिए कुछ भी बलिदान कर सकता हूँ। बदलाव का रास्ता कठिन है, लेकिन यही प्रगति का मार्ग है। आजादी का मतलब जिम्मेदारी भी है और शक्ति कभी भी लोगों से ऊपर नहीं होनी चाहिए। मानवीय गरिमा ही सबसे बड़ी राजनीति है और बिना त्याग के कोई महान परिवर्तन संभव नहीं है। एक राष्ट्रपति को अपनी गलतियों को स्वीकार करने का साहस होना चाहिए क्योंकि तानाशाही का युग अब समाप्त हो चुका है। रूस को दुनिया के साथ मिलकर चलना होगा और हमें समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलना होगा। शांति केवल बातचीत से ही संभव है। अर्थव्यवस्था को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करना जरूरी है क्योंकि भ्रष्टाचार लोकतंत्र का सबसे बड़ा दुश्मन है। कानून का शासन ही न्याय की नींव है और एक स्वतंत्र प्रेस ही लोकतंत्र की रक्षक है। युवा पीढ़ी ही नए रूस की निर्माता है और हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व होना चाहिए। संकल्प और साहस ही सफलता की कुंजी हैं। उन्होंने अपने विदाई भाषण में कहा था कि मैं रूस के लिए माफी मांगता हूं कि मैं आपके सपनों को पूरी तरह पूरा नहीं कर पाया।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

कर्मयोग, भक्तियोग और ध्यानयोग का मार्ग

जीवन का सफर हमेशा सरल नहीं होता। कभी-कभी ऐसे क्षण आते हैं जब अचानक चारों ओर अंधेरा छा जाता है, मन पूरी तरह टूट जाता है और दिल के भीतर एक ऐसा खालीपन बस जाता है जिसे शब्दों में बयां करना मुश्किल होता है। चाहे वह किसी अपने का बिछड़ना हो, सालों से संजोए सपनों का बिखरना हो, या फिर किसी गहरी असफलता का आघात—दुःख जब आता है, तो वह केवल बाहर से नहीं, बल्कि भीतर से भी इंसान को खोखला कर देता है। ऐसे में अक्सर मन एक ही सवाल पूछता है— अब आगे कैसे जियूँ? इस असहनीय दर्द से बाहर जब संसार के सारे सहारे छूटने लगते हैं और बुद्धि काम करना बंद कर देती है, तब श्रीमद्भगवद्गीता के शाश्वत सूत्र हमारा हाथ थामते हैं। भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन के माध्यम से पूरी मानवता को दुःख के भंवर से निकलने के तीन महामार्ग बताए हैं: कर्मयोग, भक्तियोग और ध्यानयोग। ये तीन मार्ग केवल आध्यात्मिक सिद्धांत नहीं हैं, बल्कि जीवन जीने की व्यावहारिक कला हैं।

1. कर्मयोगः जब दिल टूटे, तब कर्म को ढाल बनाएं

दुःख की सबसे बड़ी मार यह होती है कि वह इंसान को जड़ बना देता है। जब मन भारी होता है, तो व्यक्ति सब कुछ छोड़-छाड़ कर एक कोने में बैठ जाना चाहता है। लेकिन गीता सिखाती है कि स्थिर बैठ जाने से दुःख कम नहीं होता, बल्कि वह मन पर और गहरा अधिकार कर लेता है। श्री कृष्ण कहते हैं—कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।

कर्मयोग हमें सिखाता है कि जब भीतर सब कुछ बिखर रहा हो, तब अपने उत्तरदायित्वों और कर्तव्यों में लग जाना ही सबसे बड़ी औषधि है। काम से भागना समाधान नहीं है। जब आप अपने हाथों को किसी रचनात्मक कार्य या सेवा में लगाते हैं, तो आपका दर्द एक 'उद्देश्य' में बदलने लगता है। कर्मयोग हमें अनुशासन देता है और मन को अतीत की कचोटती यादों से खींचकर वर्तमान की सक्रियता में ले आता है। जब आप दूसरों के लिए या अपने कर्तव्यों के लिए पसीना बहाते हैं, तो धीरे-धीरे वह मानसिक बोझ हल्का होने लगता है जब इंसान साथ छोड़ दें, तब असीम से जुड़ें। अक्सर हमारे दुखों का मूल कारण हमारी 'अत्यधिक अपेक्षाएं' होती हैं। हम नाशवान मनुष्यों से अविनाशी प्रेम और साथ की उम्मीद कर बैठते हैं। जब कोई अपना दूर चला जाता है, तो हमें लगता है कि हमारा अस्तित्व ही खत्म हो गया। यहाँ भक्तियोग हमें संभालता है। यह मार्ग सिखाता है कि मनुष्य की सीमाएं हैं, वह आज है और कल शायद न रहे, लेकिन एक ऐसी शक्ति है जो असीम है और सदैव हमारे साथ है। भक्ति का अर्थ केवल मंदिर जाना नहीं, बल्कि अपने अहंकार और अपने दर्द को उस परम सत्ता के चरणों में समर्पित कर देना है। जब आप यह मान लेते हैं कि हे ईश्वर, मैं यह बोझ अब और नहीं उठा सकता, अब आप ही मुझे संभालिये,₹ तो एक अद्भुत शांति का अनुभव होता है। भक्तियोग हमें वह 'इमोशनल सिक्योरिटी' (भावनात्मक सुरक्षा) देता है जो दुनिया का कोई व्यक्ति नहीं दे सकता।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

'आनंदपुर में लगी आग कोई दुर्घटना नहीं है। मोमो फैक्ट्री के मालिक को अभी तक गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया है? अगर ये घुसपैठिए होते तो क्या ममता बनर्जी की प्रतिक्रिया ऐसी ही होती? बंगाली नागरिकों की हत्या हुई है। इस मामले में आप वोट बैंक की राजनीति क्या कर रहे हैं? ममता बनर्जी को शर्म आनी चाहिए।

-अमित शाह
गृह मंत्री, भारत सरकार

'हिंदू मेरी एक बात नोट कर लें, मुसलमानों को गालियां देकर हिंदू राष्ट्र नहीं बनेगा। हिंदुओं को अपनी कुरितियां सुधारी पड़ेंगी, तभी भारत हिंदू राष्ट्र बनेगा। जो हमारे सनातन में कमियां है उसे दूर करेंगे तभी बनेगा और भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने का एक ही उपाय है। वह है, जात-पात की करो विदाई, हम सब हिंदू भाई-भाई।'

-धीरेन्द्र शास्त्री
बागेश्वर धाम

, 'महाराष्ट्र ने एक बहुत बड़ा नेता खोया है। बारामती ने अपना लाल खोया है। इसके बावजूद हम लोग देख रहे हैं कि सुनेत्रा पवार उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाली हैं। यह उनकी पार्टी का अंदरूनी मामला है। लेकिन, ये जो हो रहा है... क्या नैतिकता है? क्या यह किसी भी राजनीतिक दल को शोभा देता है।

-आनंद दुबे प्रवक्ता
शिवसेना (यूबीटी)

भाजपा के ही विधायक द्वारा, अपनी ही भाजपा सरकार के मंत्री को बंधक बनाना दर्शाता है कि भाजपा सरकार के विधायक अब अगले चुनाव में हारने वाले हैं। वैसे ये न सोचा जाए कि ये इन दोनों के बीच की ही लड़ाई है, दरअसल ये तो केवल सैम्पल या कहें नमूना है, हर विधानसभा क्षेत्र में यही हाल है।

-अखिलेश यादव
अध्यक्ष, सपा

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

त्र्यंबकेश्वर में 'प्रसाद' योजना के तहत प्रशासनिक भवन और दर्शन दीर्घा का शुभारंभ

नासिक। त्र्यंबकेश्वर स्थित संत श्री निवृत्तिनाथ महाराज समाधि परिसर में केंद्र सरकार की 'प्रसाद' योजना के अंतर्गत नव निर्मित प्रशासनिक भवन और दर्शन दीर्घा (कतार मंडप) का लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, राज्य के जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन, सांसद भास्कर भगरे, राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर, त्र्यंबक नगर परिषद की अध्यक्ष त्रिवेणी तुंगार, और संस्थान के अध्यक्ष सोमनाथ घोटेकर सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने अपने संबोधन में संत निवृत्तिनाथ महाराज के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने अध्यात्म को केवल ग्रंथों तक सीमित न रखते हुए समाज में समानता, बंधुत्व और सदाचार के मूल्यों को स्थापित किया। उनके मार्गदर्शन में भक्ति और ज्ञान का सुंदर संतुलन समाज के लिए आदर्श बना। मंत्री शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिशा में 'प्रसाद' योजना के तहत देशभर के प्रमुख तीर्थस्थलों पर आधुनिक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं।

गोवंडी में झुग्गियों में लगी आग

मुंबई। मुंबई के गोवंडी इलाके में शनिवार को झुग्गियों में आग लग गई। इस घटना में 8 से 10 झोपड़े जलकर खाक हो गए। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोवंडी के न्यू गौतम नगर स्थित सोनापुर लेन के पास 8-10 झोपड़ियों में बिजली की वायरिंग में आग लग गई। इससे लोगों में अफरा तफरी मच गई। आग ने झोपड़ों में रखे फर्नीचर, घरेलू सामान, सीलिंग फैन आदि को अपनी चपेट में ले लिया। घटना की सूचना फौरन फायर ब्रिगेड को दी गई। मुंबई मनपा से मिली जानकारी के अनुसार सूचना मिलते ही तुरंत फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को मौके पर रवाना किया गया। इस बीच स्थानीय पुलिस, एंबुलेंस, बिजली कर्मी और मनपा के कर्मचारी भी घटनास्थल पर पहुंचे। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

बिजली चोरी का बड़ा भंडाफोड़ 5 करोड़ की चोरी उजागर

नागपुर। महावितरण द्वारा चलाए गए विशेष जांच अभियान में नागपुर जिले में करीब 5 करोड़ रुपये की बिजली चोरी का खुलासा हुआ है। बीते नौ महीनों में की गई कार्रवाई के दौरान 2,130 बिजली चोरों को पकड़ा गया, जिनमें से बड़ी संख्या में उपभोक्ता सीधे मुख्य लाइन से हुक लगाकर बिजली चोरी करते पाए गए। इस कार्रवाई से बिजली चोरों में हड़कंप मच गया है।

महावितरण के उपमुख्य जनसंपर्क अधिकारी योगेश विटणकर ने बताया कि अप्रैल से दिसंबर 2025 के बीच नागपुर जिले में कुल 11,962 उपभोक्ताओं के बिजली कनेक्शनों की गहन जांच की गई। इस दौरान 1,963 उपभोक्ताओं द्वारा प्रत्यक्ष रूप से बिजली चोरी किए जाने का खुलासा हुआ, जबकि 167 उपभोक्ता बिजली का गलत उपयोग करते पाए गए।

करीब 4.99 करोड़ की बिजली चोरी

जांच में सामने आया कि दोषी उपभोक्ताओं ने करीब 23.82 लाख यूनिट बिजली की चोरी की, जिसकी कीमत लगभग 4,99,58,000 रुपये आंकी गई है। नियमानुसार इन पर बिल और समझौता राशि सहित 1.03 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। कुल मिलाकर बिजली चोरों पर 6.02 करोड़ रुपये की बकाया राशि तय की गई है।

हुक से लेकर रिमोट कंट्रोल तक, हाईटेक चोरी

अभियान के दौरान बिजली चोरी के चौंकाने वाले तरीके सामने आए। 974 उपभोक्ता मुख्य लाइन पर सीधे हुक लगाकर बिजली चोरी कर रहे थे, जबकि 989 उपभोक्ताओं ने मीटर में तकनीकी छेड़छाड़ की थी। इनमें रिमोट कंट्रोल से मीटर बंद करना, मीटर में छेद कर रेजिस्टेंस पैदा करना, आंतरिक सर्किट में बदलाव कर मीटर को धीमा या निष्क्रिय करना जैसी तरकीबें शामिल हैं।

36 के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज

महावितरण ने 36 बिजली चोरों के खिलाफ विद्युत अधिनियम के तहत विभिन्न पुलिस थानों में आपराधिक मामले दर्ज कराए हैं। वहीं निर्धारित उद्देश्य के अलावा अन्य कार्यों में बिजली का उपयोग करने वाले 167 उपभोक्ताओं से 39.30 लाख रुपये का अतिरिक्त बिल वसूला गया है। महावितरण ने स्पष्ट किया कि बिजली चोरी से सबसे अधिक नुकसान नियमित रूप से बिल चुकाने वाले उपभोक्ताओं को उठाना पड़ता है। अनधिकृत भार के कारण ट्रांसफॉर्मरों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है!

अभियान रहेगा जारी

यह विशेष अभियान महावितरण के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक लोकेश चंद्रा, संचालक सचिन तालेवार, क्षेत्रीय संचालक परेश भागवत और मुख्य अभियंता दिलीप दोडके के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है। महावितरण ने संकेत दिए हैं कि आने वाले दिनों में खराब मीटर, औसत बिल वाले कनेक्शन और 'अभय योजना' का लाभ न लेने वाले बकायेदारों की भी सघन जांच की जाएगी।

श्रीराम कथा में भक्ति, भाव और उल्लास का संगम

नवी मुम्बई। कोपरखैरने में आयोजित श्रीराम कथा के पांचवे दिन पर श्रद्धा और भक्ति का अनुपम दृश्य देखने को मिला। सुप्रसिद्ध कथावाचक गोपाल महाराज ने कथा के पांचवे दिन भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़े प्रमुख प्रसंगों- राम जन्म, धनुष यज्ञ, राम–जानकी विवाह और राम वन गमन-का भावपूर्ण और विस्तृत वर्णन किया, जिसे सुनकर पूरा कथा पंडाल भक्तिरस में डूब गया। कथा वाचक ने राम जन्म प्रसंग के माध्यम से धर्म, सत्य और मर्यादा के महत्व को रेखांकित किया। जैसे ही भगवान श्रीराम के अवतरण का वर्णन हुआ, पंडाल 'जय श्रीराम' के जयघोष से गूंज उठा। इसके बाद धनुष यज्ञ का प्रसंग प्रस्तुत किया गया, जिसमें श्रीराम द्वारा शिव धनुष भंग करने की लीला का जीवंत वर्णन किया गया। इस प्रसंग ने श्रोताओं को यह संदेश दिया कि अहंकार पर विनम्रता और शक्ति पर संयम ही सच्ची विजय है। राम–जानकी विवाह का प्रसंग कथा का विशेष आकर्षण रहा। इस समय भक्ति गीतों और मंगलाचरण से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। महाराज ने कथा के समापन पर राम वन गमन का करुण और प्रेरणादायक प्रसंग सुनाया। माता कैकेयी के वचनों के पालन हेतु श्रीराम

द्वारा राजसिंहासन त्याग कर वन जाने का प्रसंग सुनकर अनेक श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं। कथा के अंतिम दिन विशाल महाभंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें लगभग 6,000 श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

इस धार्मिक कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था अध्यक्ष संजय राय, उपाध्यक्ष संजीव सिंह, सचिव नागेंद्र सिंह, कोषाध्यक्ष संजय गुप्ता, हरिशंकर गुप्ता, सुरेश जायसवाल, आशुतोष सिंह, स्वतंत्र राय, विपिन राय, बिल्डर राम कुमार चौधरी, सुरेंद्र राय, बिंदु आचार्या, रजनी झा, गौरव सिंह, अशरफी लाल गुप्ता, मुन्ना पांडेय, अमरेश शर्मा, विनोद तिवारी, सतीश झमरे, एड, रमेश त्रिपाठी, अनिल बारी, डॉ राकेश सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

शिक्षा और समर्पण का जश्न-सनराइज इंग्लिश हाई स्कूल का 20वां वार्षिक समारोह संपन्न

डीबीडी संवाददाता। कल्याण

जन कल्याण सेवा समिति द्वारा संचालित सनराइज इंग्लिश हाई स्कूल का 20वां वार्षिक समारोह एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम कल्याण पूर्व स्थित कशिश इंटरनेशनल होटल में उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों की रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने अभिभावकों और अतिथियों का मन मोह लिया तथा समाज में शिक्षा और बाल विकास के महत्व को रेखांकित किया।

गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति

इस अवसर पर भाजपा के पूर्व शहर अध्यक्ष एवं केडीएमसी के पूर्व परिवहन सदस्य संजय मोरे, भवन निर्माता नवीन सिंह,अवधेश सिंह सहित कई गणमान्य अतिथि और बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे। अतिथियों ने स्कूल के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ-साथ समाज में शिक्षा के प्रति सकारात्मक सोच को मजबूत करते हैं। आयोजकों ने उम्मीद जताई कि इस तरह के कार्यक्रम केवल उत्सव तक सीमित न रहकर शिक्षा के महत्व, बच्चों की सुरक्षा और अभिभावकीय सहयोग को लेकर समाज के लिए प्रेरणा बनें। सनराइज इंग्लिश हाई स्कूल ने समुदाय से अपील की कि वे शिक्षा, खेल और कला से जुड़े कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता निभाएं और बच्चों के लिए एक सकारात्मक एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराएं।

बच्चों के सर्वांगीण विकास पर जोर

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्कूल के संस्थापक श्री मनोज तिवारी ने कहा कि सनराइज इंग्लिश हाई स्कूल हमेशा बच्चों के सर्वांगीण विकास, सुरक्षा और नैतिक मूल्यों को प्राथमिकता देता रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों की छिपी प्रतिभाओं को निखारने, अभिभावकों की सहभागिता और समाज के सहयोग से बेहतर भविष्य निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने नृत्य, संगीत और नाटक के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। इन प्रस्तुतियों को उपस्थित दर्शकों ने खूब सराहा।

मुंबई कोस्टल रोड पर छह जगहों पर बायो-टॉयलेट की सुविधा

मुंबई। धर्मवीर स्वराज्यरक्षक छत्रपति संभाजी महाराज मुंबई कोस्टल रोड (दक्षिण) पर मुंबई मनपा ने छह जगहों पर स्टेट-ऑफ-द-आर्ट बायो-टॉयलेट की सुविधा उपलब्ध कराई है। कोस्टल रोड पर विहार इलाके में पैदल चलने वालों के अंडरपास की सुविधा दी गई है।

मनपा के सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट डिपार्टमेंट ने कोस्टल रोड पर अंडरपास (पीयूपी) नंबर 2, 4, 6, 11, 12 और 14 पर सुविधाएं प्रदान की हैं। इस रोड पर कई जगहों पर प्रोमेनेड बनाए गए हैं। समुद्र तट पर बने इस सैरगाह पर बड़ी संख्या में नागरिक और पर्यटक आते हैं। उन्हें बेहतर सफाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मनपा आयुक्त भूषण गगरानी के निर्देश पर यह सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। कोस्टल रोड पर अमर संस उद्यान के पास राहगीरों के लिए अंडरपास (पीयूपी) क्रमांक 2, आकृति बिल्डिंग पार्किंग स्थल के पास अंडरपास (पीयूपी) क्रमांक 4, हाजी अली जंक्शन पर अंडरपास (पीयूपी) क्रमांक 6, ये सुविधाएं छह स्थानों पर उपलब्ध कराई गई हैं। इसी तरह अंडरपास (पीयूपी) क्रमांक 11, वर्ली डेयरी के सामने अंडरपास (पीयूपी) नंबर 12 और खान अब्दुल गफ्फार खान रोड पर बिंदुमाधव ठाकरे चौक के उत्तर में अंडरपास (पीयूपी) नंबर 14 की सुविधा प्रदान की गई है। ये टॉयलेट 20 × 20 × 8 फीट साइज के हैं और 1 kW सोलर पावर सिस्टम से चलेंगे। इनमें महिलाओं के लिए 2 टॉयलेट (1 वेस्टर्न और 1 इंडियन स्टाइल), पुरुषों के लिए 2, बच्चों के लिए 1 और दिव्यांगों के लिए 1 वेस्टर्न स्टाइल टॉयलेट शामिल हैं। इनमें 6 यूरिनल, 3 वाशबेसिन, 3 सेंसर वाले शीशे, 3 साबुन डिस्पेंसर, 1 सैनिटरी पैड इंसीनरेटर, 1 सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन, 1,000 लीटर पानी की टंकी, 3,000 लीटर कैपेसिटी वाला 1 डीआरडीओ बायो-डाइजेस्टर वगैरह भी शामिल हैं।

नासिक मेट्रो पर ब्रेक, केंद्र ने प्रस्ताव लौटाया, भविष्य पर संकट

नासिक। केंद्रीय बजट 2021-22 में नासिक के लिए मेट्रो परियोजना की घोषणा के बावजूद अब तक इस दिशा में कोई ठोस प्रगति नहीं हो सकी है। लोकसभा में सांसद राजाभाऊ वाजे द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय ने साफ कर दिया है कि मेट्रो राज्य का विषय है और यह एक खर्चीली परियोजना है। मंत्रालय ने प्रस्ताव की समीक्षा के बाद उसे टिप्पणियों के साथ वापस लौटा दिया है, जिससे नासिक मेट्रो का भविष्य अनिश्चित हो गया है।

सांसद के छह सवाल, जवाब में मायूसी

शहर की बढ़ती आबादी और यातायात दबाव को देखते हुए सांसद वाजे ने अतारांकित प्रश्न संख्या 183 के तहत मेट्रो परियोजना की स्थिति, मंजूरियों, फंडिंग, अड़चनों और 2027 सिंहस्थ कुंभ से पहले क्रियान्वयन को लेकर छह अहम सवाल पूछे थे। लेकिन केंद्र सरकार का संक्षिप्त और टालमटोल भरा जवाब नासिकवासियों की उम्मीदों पर पानी फेरता नजर आया। मंत्रालय के अनुसार, राज्य सरकार द्वारा भेजा गया 'मेट्रो निओ' प्रस्ताव जांच के बाद कुछ निरीक्षणों के साथ वापस भेज दिया गया था। हालांकि, उन टिप्पणियों पर अब तक क्या कार्रवाई हुई, इस पर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है।

कुंभ मेले में मेट्रो की उम्मीद धूमिल

आगामी सिंहस्थ कुंभ मेले में लाखों श्रद्धालुओं के नासिक पहुंचने की संभावना है। ऐसे में मेट्रो जैसी आधुनिक परिवहन सुविधा की जरूरत महसूस की जा रही थी, लेकिन कुंभ से पहले मेट्रो परियोजना को लेकर सरकार के पास कोई ठोस कार्ययोजना नहीं है। सांसद राजाभाऊ वाजे ने कहा कि, "तेजी से बढ़ते शहरीकरण और ट्रैफिक को देखते हुए नासिक के लिए मेट्रो या मेट्रो निओ बेहद जरूरी है। बजट में घोषणा के बाद भी केंद्र का पीछे हटना निराशाजनक है। नासिक के अधिकार के लिए हमारा संघर्ष जारी रहेगा।"

पद्मश्री सुभाष शर्मा 'रामतीर्थ गोदा पुरस्कार' से सम्मानित

नाशिक। श्री गोदावरी जन्मोत्सव के पावन अवसर पर शनिवार, 31 जनवरी को रामकुंड स्थित दुतोंड्या मारुति घाट पर रामतीर्थ गोदावरी सेवा समिति की ओर से 'रामतीर्थ गोदा पुरस्कार 2026' वितरण समारोह भव्य और भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर 1111 महिलाओं की सहभागिता के साथ माता गंगा-गोदावरी की सामूहिक महाआरती की गई, जिसने आध्यात्मिक ऊर्जा और सांस्कृतिक एकता का अनूठा दृश्य प्रस्तुत किया।कार्यक्रम का शुभारंभ शंखनाद और विधिवत पूजन के साथ हुआ। गोदावरी माता को महावस्त्र अर्पित किए गए। घाट परिसर में श्रद्धालुओं की बड़ी उपस्थिति रही, जिससे पूरा वातावरण भक्तिरस में सराबोर नजर आया।

इस वर्ष का प्रतिष्ठित 'रामतीर्थ गोदा राष्ट्रजीवन पुरस्कार' भारतीय कृषि क्षेत्र में रसायन-मुक्त, प्राकृतिक और स्वदेशी खेती के प्रणेता पद्मश्री सुभाष शर्मा को प्रदान किया गया। केंद्रीय सांस्कृतिक एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने उन्हें यह सम्मान किसानों की आत्मनिर्भरता और प्राकृतिक खेती के लिए किए गए आजीवन योगदान के लिए प्रदान किया। इसी अवसर पर 'रामतीर्थ गोदा प्राच्यविद्या राष्ट्रीय पुरस्कार 2026' वेद, दर्शन और धर्मशास्त्र के संवर्धन में उल्लेखनीय योगदान देने वाले आचार्य पं. राजेश्वर शास्त्री भालचंद्र शास्त्री जोशी को दिया गया।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष व्यवसाय ठीक चलेगा। पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। व्यय होगा। प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में नए अनुबंध लाभकारी रहेंगे। परिश्रम का अनुकूल फल मिलेगा। परिजनों के स्वास्थ्य और सुविधाओं की ओर ध्यान दें।

वृष विवाद से क्लेश होगा। फालतू खर्च होगा। पुराना रोग परेशान कर सकता है। जोखिम न लें। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। विद्यार्थियों को परीक्षा में सफलता प्राप्ति के योग हैं। सावधानी व सतर्कता से व्यापारिक अनुबंध करें। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा।

मिथुन बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न उठाएं। आज का दिन आपके लिए शुभ रहने की संभावना है। स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसर मिलेंगे। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

कर्क मेहनत का फल मिलेगा। योजना फलीभूत होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कर्ज से दूर रहना चाहिए। खर्च में कमी होगी। कानूनी विवादों का निपटारा आपके पक्ष में होने की संभावना है। प्रतिष्ठितजनों से मेल-जोल बढ़ेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। रोजगार मिलेगा। अप्रत्याशित लाभ संभव है। जोखिम न लें। धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी। मिलनसारिता व धैर्यवान प्रवृत्ति जीवन में आनंद का संचार करेगी। कई दिनों से रुका पैसा मिल सकेगा।

कन्या चोट व रोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। क्रय-विक्रय के कार्यों में लाभ होगा। योजनाएं बनेंगी। उच्च और बौद्धिक वर्ग में विशेष सम्मान प्राप्त होगा। भाइयों से अनबन हो सकती है।

तुला कुसंगति से हानि होगी। वाहन मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। वाणी परो नियंत्रण रखें, जोखिम न लें। परेशानियों का मुकाबला करके भी लक्ष्य को हासिल कर पाएंगे। व्यापारिक लाभ होगा। संतान के प्रति झुकाव बढ़ेगा। शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होगी।

वृश्चिक राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। जायदाद संबंधी समस्या सुलझने के आसार बनेंगे। अनुकूल समाचार मिलेंगे तथा दिन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। नए संबंध लाभदायी सिद्ध होंगे।

धनु किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ होगा। धन संचय की बात बनेगी। परिवार के कार्यों पर ध्यान देना जरूरी है। रुका कार्य होने से प्रसन्नाता होगी। आर्थिक सलाह उपयोगी रहेगी। कर्ज की चिंता कम होगी।

मकर अति व्यस्तता रहेगी। बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। थकान रहेगी। व्यापार-व्यवसाय संतोषप्रद रहेगा। आपसी संबंधों को महत्व दें। अल्प परिश्रम से ही लाभ होने की संभावना है। खर्चों में कमी करने का प्रयास करें।

कुंभ संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। धैर्य एवं शांति से वाद-विवादों से निपट सकेंगे। दुस्साहस न करें। नए विचार, योजना पर चर्चा होगी। स्वयं की प्रतिष्ठा व सम्मान के अनुरूप कार्य हो सकेंगे।

मीन प्रसन्नता रहेगी। संतान की शिक्षा की चिंता समाप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। महत्व के कार्य को समय पर करें। व्यावसायिक श्रेष्ठता का लाभ मिलेगा। मेहनत का फल कम मिलेगा। कार्य की प्रशंसा होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

चन्द्र मंगल योग

वैदिक ज्योतिष में चन्द्र मंगल योग की प्रचलित परिभाषा के अनुसार यदि किसी कुंडली में चन्द्रमा तथा मंगल कुंडली के एक ही घर में स्थित हो जाते हैं तो ऐसी कुंडली में चन्द्र मंगल योग का निर्माण हो जाता है। चन्द्र मंगल योग द्वारा प्रदान किये जाने वाले फलों के लेकर विभिन्न ज्योतिषी भिन्न भिन्न मत रखते हैं। कुछ ज्योतिषी यह मानते हैं कि कुंडली में बनने वाला चन्द्र मंगल योग शुभ होता है तथा इस योग के कारण जातक को विभिन्न प्रकार के शुभ फल प्राप्त हो सकते हैं जबकि कुछ अन्य

प्रियंका जैन
9769994439

ज्योतिषी यह मानते हैं कि कुंडली में बनने वाला चन्द्र मंगल अशुभ होता है तथा इस योग के कारण जातक को विभिन्न प्रकार के अशुभ फल प्राप्त हो सकते हैं। आज के इस लेख में हम चन्द्र मंगल योग के कुंडली में निर्माण तथा इस योग के शुभ अशुभ फलों के बारे में चर्चा करेंगे।

चन्द्रमा तथा मंगल के संयोग

कुंडली में चन्द्रमा तथा मंगल के संयोग से बनने वाला चन्द्र मंगल योग जातक को कुंडली में चन्द्रमा तथा मंगल के स्वभाव, बल तथा स्थिति आदि के आधार पर विभिन्न प्रकार के शुभ अशुभ फल प्रदान कर सकता है। किसी कुंडली में शुभ चन्द्रमा तथा शुभ मंगल का संयोग हो जाने से बनने वाले चन्द्र मंगल योग का परिणाम निश्चिय ही शुभ फलदायी होगा तथा इस प्रकार के चन्द्र मंगल योग के प्रभाव में आने वाले जातक को उसकी कुंडली में चन्द्र तथा मंगल की स्थिति तथा बल के आधार पर भिन्न भिन्न प्रकार के शुभ फल प्राप्त हो सकते हैं। उदाहरण के लिए किसी कुंडली के पांचवे घर में बनने वाला शुभ चन्द्र मंगल योग जातक को धन, समृद्धि, कलात्मकता आदि जैसे शुभ फल प्रदान कर सकता है जबकि किसी कुंडली के दसवें घर में बनने वाला शुभ चन्द्र मंगल योग जातक को व्यवसायिक सफलता तथा ख्याति प्रदान कर सकता है। इस प्रकार शुभ चन्द्रमा तथा शुभ मंगल के संयोग से बनने वाला चन्द्र मंगल योग कुंडली के विभिन्न घरो तथा विभिन्न राशियों में अपनी स्थिति के आधार पर भिन्न भिन्न प्रकार के शुभ फल प्रदान कर सकता है।

कुंडली में चन्द्रमा तथा मंगल दोनों के अशुभ

दूसरी ओर किसी कुंडली में चन्द्रमा तथा मंगल दोनों के अशुभ होने की स्थिति में इनके संयोग से बनने वाला चन्द्र मंगल योग निश्चय ही अशुभ फलदायी तथा अमंगलकारी होता है जो जातक को उसके जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में अनेक प्रकार के कष्ट दे सकता है जिनका निर्णय कुंडली में इस प्रकार के अशुभ चन्द्र मंगल योग की स्थिति तथा बल आदि से किया जाता है।

न्यूज़ ब्रीफ

कोडीन सिरप तस्करी भोला जायसवाल की करोड़ों की संपत्ति जब्त

सोनभद्र। अवैध कोडीन युक्त कफ सिरप कारोबार के मुख्य आरोपी भोला प्रसाद जायसवाल पर पुलिस ने शिकंजा और कस दिया है। न्यायालय के आदेश पर सोनभद्र पुलिस ने शनिवार को उसके और परिजनों के नाम दर्ज 5.77 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति कुर्क की। पुलिस के अनुसार, इस कार्रवाई में विभिन्न तहसीलों में स्थित जमीन और मकान, चार वाहन तथा बैंक खातों में जमा राशि शामिल है। इससे पहले भी आरोपी की भारी-भरकम अवैध संपत्ति जब्त की जा चुकी है। पुलिस का कहना है कि अब तक इस गिरोह से जुड़ी छह करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियों को कानून के दायरे में लाया जा चुका है।

बरेली हिंसा का मुख्य आरोपी सुभान उर्फ चूरन धराया

बरेली। शहर में हुई हिंसा और पुलिस पर गोली चलाने की घटना में वांछित हिस्ट्रीशीटर सुभान उर्फ चूरन को बारादरी पुलिस ने पीलीभीत बाइपास से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने सुनियोजित तरीके से नाबालिग लड़कों को आगे कर प्रदर्शन और बवाल की रूपरेखा तैयार की थी। पूछताछ में सामने आया है कि उसे पुलिस को रोकने और हालात बिगाड़ने की जिम्मेदारी दी गई थी। आरोपी हाल ही में एक अन्य मारपीट की घटना में भी शामिल रहा है और तभी से फरार था। पुलिस उसे न्यायालय में पेश कर आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

लोनिवि अधिकारी से मारपीट, लाइन बाजार में तीन नामजद

जौनपुर। लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ खंडीय लेखाधिकारी राम मिलन यादव के साथ मारपीट के आरोपों को लेकर जौनपुर में मामला दर्ज किया गया है। लेखाधिकारी की शिकायत पर लाइन बाजार थाने में अधिशासी अभियंता समेत तीन लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी पंजीकृत की गई है। आरोप है कि भुगतान संबंधी फाइलों पर हस्ताक्षर के दबाव का विरोध करने पर विवाद बढ़ा और उनके साथ अभद्रता व मारपीट की गई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, दूसरे पक्ष ने आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए घटना से इनकार किया है।

जौनपुर और आजमगढ़ को 2200 करोड़ के बाईपास की सौगात

- पूर्वांचल के दोनों शहरों को जाम से मिलेगी मुक्ति
- पूर्वांचल से एनएच की कनेक्टिविटी भी होगी आसान

जौनपुर/आजमगढ़। उत्तर प्रदेश में शहरी यातायात सुधार और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मजबूती देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। जौनपुर और आजमगढ़ में दो प्रमुख चार लेन बाईपास परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई है, जिन पर कुल मिलाकर 2,200 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आएगी। इन परियोजनाओं के जरिए न केवल शहरों के भीतर यातायात दबाव कम होगा, बल्कि पूर्वांचल की अंतर-जनपदीय और राष्ट्रीय राजमार्ग कनेक्टिविटी भी सशक्त होगी।

जौनपुर में 12.2 किलोमीटर होगी लंबाई

जौनपुर में 12.2 किलोमीटर लंबे चार लेन वेस्टर्न बाईपास के निर्माण को 944.19 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। दोनों ओर सर्विस रोड और स्लिप रोड से युक्त यह बाईपास राष्ट्रीय राजमार्ग-731 और एनएच-135A को जोड़ते हुए क्षेत्रीय सड़क नेटवर्क की एक अहम कड़ी बनेगा। यह परियोजना जौनपुर में लंबे समय से बनी "मिसिंग लिंक" की समस्या को दूर कर शहर के चारों ओर एक संगठित रिंग रोड संरचना विकसित करेगी।

आजमगढ़ में 15 किमी फोर लेन बाईपास

वहीं आजमगढ़ में 15 किलोमीटर लंबे चार लेन दक्षिण-पूर्व बाईपास के निर्माण पर 1,279.13 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। आधुनिक मानकों पर तैयार होने वाले इस बाईपास में फ्लाईओवर, इंटरचेंज, सर्विस रोड और स्लिप रोड की सुविधा होगी। यह मार्ग एनएच-28, एनएच-128B और पूर्वांचल एक्सप्रेसवे को जोड़ते हुए लंबी दूरी के वाहनों को शहर में प्रवेश किए बिना निर्बाध आवाजाही का विकल्प देगा।

भारी वाहनों का दबाव होगा कम

इन दोनों परियोजनाओं के पूर्ण होने के बाद जौनपुर और आजमगढ़ शहरों में भारी वाहनों का दबाव कम होने, जाम और प्रदूषण में कमी आने तथा यात्रा समय और ईंधन की बचत होने की उम्मीद है। साथ ही, व्यापार, परिवहन और औद्योगिक गतिविधियों को गति मिलने से पूरे पूर्वांचल क्षेत्र के आर्थिक विकास को नई ऊर्जा मिलने की संभावना जताई जा रही है।

श्रद्धालुओं का काल बना कंटेनर

- दो ऑटो को कुचलते हुए निकला, पांच यात्रियों की मौत

आगरा। आगरा जनपद में शनिवार को भीषण सड़क हादसे ने कई परिवारों को गहरे शोक में डुबो दिया। खंदौली थाना क्षेत्र के खंदौली-जलेसर मार्ग पर अनियंत्रित कंटेनर ने लगातार दो ऑटो में टक्कर मार दी, जिससे मौके पर ही पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, दोनों ऑटो एक ही दिशा में जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए तेज रफ्तार कंटेनर चालक ने आगे निकलने की कोशिश की। ओवरटेक के दौरान कंटेनर पहले एक ऑटो से टकराया और फिर संतुलन खोते हुए दूसरे ऑटो को भी अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और उनमें सवार यात्रियों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। पुलिस अधीक्षक देवेश सिंह ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले सभी लोग एक ही गांव के निवासी थे और ओडिशा के जगन्नाथ पुरी से दर्शन कर वापस लौट रहे थे। मृतकों की पहचान हाथरस जिले के ग्राम सहपऊ निवासी बीजो, लख्मीचंद, रणवीर सिंह, बिल्ला मिस्त्री और शाहिद के रूप में हुई है।

मायानगरी मुंबई में मिलीं सोनाक्षी और जिया

- बबरगंज थाना क्षेत्र से गायब हुई थीं दोनों छात्राएं

भागलपुर। स्कूल जाने के बाद लापता हुईं बबरगंज थाना क्षेत्र की दो छात्राओं सोनाक्षी और जिया को भागलपुर पुलिस ने मुंबई से सकुशल बरामद कर लिया है। इस संबंध में शनिवार को आयोजित प्रेस वार्ता में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार ने जानकारी देते हुए कहा कि दोनों बच्चियां पूरी तरह सुरक्षित हैं और शीघ्र परिजनों से मिलेंगी। एसएसपी ने बताया कि 8 जनवरी को दोनों छात्राएं घर से विद्यालय के लिए निकली थीं, लेकिन वापस नहीं लौटीं।

अगले दिन परिजनों की ओर से बबरगंज थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। प्रकरण की संवेदनशीलता को देखते हुए तत्काल विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया, जिसकी निगरानी सिटी एसपी शैलेंद्र सिंह कर रहे थे।जांच के दौरान एसआईटी की आठ सदस्यीय टीम ने लगातार तकनीकी और मैदानी स्तर पर कार्रवाई की। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, रेलवे टिकट और अन्य डिजिटल साक्ष्यों को जोड़ते हुए तीन अलग-अलग जिलों में छापेमारी की। इन्हीं प्रयासों के क्रम में दोनों छात्राओं की लोकेशन मुंबई में ट्रेस की गई।

1,762 परीक्षा केंद्रों पर जुटेंगे इंटर के विद्यार्थी

एजेंसी । पटना

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने इंटरमीडिएट वार्षिक परीक्षा 2026 के आयोजन को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां अंतिम रूप दे दी हैं। समिति के अध्यक्ष आनंद किशोर ने शनिवार को बताया कि परीक्षा का आयोजन 2 फरवरी से 13 फरवरी 2026 तक किया जाएगा और इसके लिए राज्यभर में व्यापक प्रशासनिक और तकनीकी व्यवस्था की गई है।

इस वर्ष इंटरमीडिएट परीक्षा में कुल 13,17,846 परीक्षार्थी शामिल होंगे, जिनके लिए राज्य में 1,762 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा में शामिल होने वालों में 6,75,844 छात्राएं और 6,42,002 छात्र हैं। राजधानी पटना जिले से 73,963 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे, जिनमें 38,037 छात्राएं और 35,926

छात्र सम्मिलित हैं। परीक्षा संचालन को लेकर बोर्ड ने सख्त समय-सारिणी तय की है। परीक्षा केंद्र का मुख्य द्वार परीक्षा शुरू होने से 30 मिनट पहले बंद कर दिया जाएगा। परीक्षार्थियों को निर्देश दिया गया है कि वे कम से कम एक घंटा पूर्व केंद्र पर पहुंचें। विलंब से आने वाले किसी भी परीक्षार्थी को किसी भी स्थिति में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।

एटा का पटना पक्षी विहार उत्तर प्रदेश की 11वीं रामसर वेटलैंड साइट घोषित

मगरमच्छ, घड़ियाल, डॉल्फिन और कछुओं की 14 प्रजातियां हैं यहां

- मछलियां, वनस्पतियां, औषधियों से युक्त 12.42 लाख हेक्टेयर में फैली रामसर साइट
- विश्व वेटलैंड्स दिवस पर महावीर स्वामी पक्षी विहार में होगा नेचर एंड बर्ड फेस्टिवल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के एटा जनपद में स्थित पटना पक्षी विहार को अंतरराष्ट्रीय महत्व के वेटलैंड के रूप में मान्यता देते हुए प्रदेश की 11वीं रामसर साइट घोषित किया गया है। इस उपलब्धि के साथ रामसर स्थलों की संख्या के आधार पर उत्तर प्रदेश देश में दूसरा स्थान प्राप्त कर चुका है। यह जानकारी प्रदेश के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ. अरुण सक्सेना ने शनिवार को साझा की।

वन मंत्री डॉ. अरुण सक्सेना ने अरण्य भवन में आयोजित वर्चुअल प्रेस मीट में बताया कि विश्व वेटलैंड्स दिवस के अवसर पर 2 फरवरी को महावीर स्वामी पक्षी विहार में नेचर एंड बर्ड फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा।

देवगढ़ सभी की आस्था का प्रमुख केंद्र

उन्होंने कहा कि महावीर स्वामी वन्यजीव विहार न केवल प्राकृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह हिंदू, जैन और बौद्ध समुदायों की धार्मिक एवं आध्यात्मिक आस्था का भी प्रमुख केंद्र है। देवगढ़ क्षेत्र में प्रतिवर्ष तीनों धर्मों के श्रद्धालु एकत्र होकर आध्यात्मिक चिंतन, प्रकृति संरक्षण और मानव कल्याण से जुड़े विषयों पर विमर्श करते हैं।

पारिस्थितिक संतुलन बनाते हैं वेटलैंड्स

डॉ. सक्सेना ने वेटलैंड्स के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि ये क्षेत्र भूजल संरक्षण और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। वेटलैंड्स से मछलियां, खाद्य वनस्पतियां, ईंधन, लकड़ी और औषधीय संसाधन प्राप्त होते हैं। प्रदेश में लगभग 12.42 लाख हेक्टेयर क्षेत्र वेटलैंड से आच्छादित है।

प्रत्येक ग्रामसभा में बनाई जाएगी संरक्षण समिति

उन्होंने आगे बताया कि उत्तर प्रदेश के वेटलैंड क्षेत्रों में मगरमच्छ, घड़ियाल, डॉल्फिन, बारहसिंगा, सारस तथा कछुओं की 14 प्रजातियां पाई जाती हैं। इन जल क्षेत्रों के संरक्षण को मजबूत करने के लिए प्रत्येक ग्राम सभा में वेटलैंड समिति का गठन किया जाएगा, जिससे स्थानीय स्तर पर संरक्षण प्रयासों को गति मिल सकेगी।

व्यापार जगत

टाइम्स बी-स्कूल रैंकिंग 2026 : आईआईएफटी शीर्ष पर

प्रबंधन शिक्षा में भारत की वैश्विक साख को मिली मजबूती

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) ने टाइम्स बी-स्कूल रैंकिंग 2026 में देशभर के प्रबंधन संस्थानों को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वैश्विक व्यवसाय पर केंद्रित उच्च गुणवत्ता वाली प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में आईआईएफटी की अग्रणी भूमिका को और अधिक सुदृढ़ करती है। संस्थान की इस सफलता को अकादमिक उत्कृष्टता, नीति-आधारित अध्ययन और वैश्विक दृष्टिकोण का परिणाम माना जा रहा है। इस अवसर पर वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जानकारी देते हुए बताया कि केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने आईआईएफटी को इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह सम्मान छात्रों को आधुनिक कौशल, रणनीतिक सोच और नेतृत्व क्षमता से लैस करने के लिए संस्थान द्वारा किए जा रहे सतत प्रयासों का प्रमाण है। मंत्री ने यह भी कहा कि आईआईएफटी भविष्य के वैश्विक कारोबारी नेतृत्व को गढ़ने और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंच पर भारत की प्रभावी उपस्थिति मजबूत करने में अहम भूमिका निभा रहा है।

वैश्विक महाशक्ति बनाने में योगदान

वाणिज्य सचिव एवं आईआईएफटी के कुलाधिपति राजेश अग्रवाल ने संस्थान की इस उपलब्धि को इसकी सुदृढ़ शैक्षणिक परंपरा और निरंतर विकसित होते वैश्विक दृष्टिकोण का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि आईआईएफटी अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भारत को वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित करने की दिशा में योगदान दे रहा है। राष्ट्रीय व्यापार, आर्थिक रणनीति और नीतिगत प्राथमिकताओं के अनुरूप दक्ष प्रबंधन पेशेवर तैयार कर संस्थान 'विकसित भारत' के लक्ष्य को मजबूती प्रदान कर रहा है।

शीघ्र दुबई में खुलेगी एक शाखा

गौरतलब है कि वर्ष 1963 में स्थापित आईआईएफटी, भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त डीम्ड विश्वविद्यालय है। इसके परिसर दिल्ली, कोलकाता, काकीनाडा और गिफ्ट सिटी में स्थित हैं, जबकि दुबई में अंतरराष्ट्रीय परिसर की स्थापना की प्रक्रिया चल रही है। आईआईएफटी एमबीए, कार्यकारी शिक्षा और डॉक्टरेट कार्यक्रमों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वैश्विक वाणिज्य के क्षेत्र में भारत की बौद्धिक और नीतिगत क्षमता को निरंतर सशक्त बना रहा है।

समय के अनुरूप नवाचार को बढ़ावा

आईआईएफटी के कुलपति प्रोफेसर राकेश मोहन जोशी ने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और कुलाधिपति राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन और सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संस्थान शिक्षण, शोध और प्रशासन में समय की मांग के अनुरूप नवाचार को प्राथमिकता दे रहा है। शैक्षणिक अनुशासन, नीति-संगत शोध, उद्योग के साथ गहरे जुड़ाव और अंतरराष्ट्रीय साझेदारी को विस्तार देकर आईआईएफटी को विश्वस्तरीय प्रबंधन संस्थान के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है।

SBI ने लांच किया CHAKRA सेंटर

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) ने शनिवार को एक विशेष सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की शुरुआत की है, जिसका नाम रखा गया है CHAKRA। यह सेंटर उन उभरते और रणनीतिक क्षेत्रों पर फोकस करेगा, जो भारत के आर्थिक विकास और तकनीकी प्रगति के लिए अहम हैं। इन सेक्टरों में रिन्यूएबल एनर्जी, एडवांस्ड सेल केमिस्ट्री और बैटरी स्टोरेज, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, ग्रीन हाइड्रोजन, सेमीकंडक्टर, डीकार्बोनाइजेशन, स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर और डेटा सेंटर इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल हैं। SBI का अनुमान है कि ये क्षेत्र आने वाले पांच वर्षों में लगभग 100 लाख करोड़ रुपये का अवसर पैदा कर सकते हैं और भारतीय अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाई तक ले जा सकते हैं।SBI के चेयरमैन सी एस सेट्टी ने बताया कि इन सेक्टरों में सिर्फ लोन से विकास की गारंटी नहीं दी जा सकती। उन्होंने कहा कि बैंक अगले पांच साल में इन क्षेत्रों में 20 से 22 लाख करोड़ रुपये तक का फाइनेंसिंग अवसर देख रहा है। यह फंडिंग केवल साधारण लोन तक सीमित नहीं होगी; मेजेनाइन फाइनेंसिंग, पार्टनरशिप और अन्य वित्तीय संरचनाओं के माध्यम से भी निवेश सुनिश्चित किया जाएगा। बैंक नई नीतियों के निर्माण, जोखिम प्रबंधन, उभरती टेक्नोलॉजी और लंबे समय तक चलने वाले कैपिटल स्ट्रक्चर पर विशेष ध्यान देगा।

21 वित्तीय संस्थानों से हुआ समझौता

CHAKRA सेंटर को मजबूत बनाने के लिए SBI ने 21 वित्तीय संस्थानों के साथ समझौते किए हैं। इन एमओयू के तहत इन संस्थानों की प्रोजेक्ट फाइनेंस टीमें SBI की टीम के साथ मिलकर काम करेंगी, जिससे बड़े और जटिल प्रोजेक्ट्स की फाइनेंसिंग आसान होगी। जापानी बैंक जैसे SMBC और MFG और भारतीय सरकारी संस्थान PFC, REC, NaBFID पहले से ही इसमें शामिल हैं, जबकि यूरोपीय और अमेरिकी बैंकों से भी बातचीत जारी है।

आईपीओ बाजार में होने वाली है तेज हलचल

नई दिल्ली। पूंजी बाजार में नए निर्गमों की रफ्तार बढ़ने जा रही है। पारिजात इंडस्ट्रीज इंडिया लिमिटेड, सीएसएम टेक्नोलॉजीज लिमिटेड, एल्डिको इंफ्रास्ट्रक्चर एंड प्रॉपर्टीज लिमिटेड और रोटोमैग एनर्टेक लिमिटेड को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से अंतिम स्वीकृति मिल गई है। नियामकीय मंजूरी के बाद अब ये कंपनियां अपने-अपने आईपीओ लॉन्च करने की दिशा में आगे बढ़ सकेंगी। सेबी की ओर से जारी ताजा जानकारी के अनुसार, इन सभी कंपनियों ने सितंबर-अक्टूबर 2025 के दौरान अपने ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल किए थे। 28 से 30 जनवरी के बीच बाजार नियामक ने इन दस्तावेजों पर अपनी टिप्पणियां जारी कीं, जिसे औपचारिक रूप से आईपीओ के लिए मंजूरी माना जाता है।

तंबाकू, पान मसाला के लिए ढीली करनी होगी जेब

एक फरवरी से सिगरेट व तंबाकू उत्पादों पर लगेगा अतिरिक्त उत्पाद व स्वास्थ्य उपकर

नई दिल्ली। आम बजट से ठीक पहले केंद्र सरकार ने तंबाकू और पान मसाला उत्पादों पर कर व्यवस्था को और कड़ा करने का निर्णय लिया है। एक फरवरी से सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पादों पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क तथा पान मसाला पर स्वास्थ्य उपकर लागू किया जाएगा। इसके परिणामस्वरूप इन उत्पादों की खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी होना तय माना जा रहा है। सरकारी प्रावधानों के अनुसार, नया अतिरिक्त शुल्क वस्तु एवं सेवा कर की अधिकतम 40 प्रतिशत दर के अतिरिक्त लगाया जाएगा। यह व्यवस्था जुलाई 2017 से लागू 28 प्रतिशत जीएसटी और क्षतिपूर्ति उपकर का स्थान लेगी। सरकार का कहना है कि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक इन उत्पादों पर कर संरचना को सरल और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है। एक फरवरी से तंबाकू उत्पादों के लिए एमआरपी आधारित मूल्यांकन प्रणाली भी लागू की जा रही है। इसके तहत चबाने वाला तंबाकू, खैनी, जर्दा युक्त सुगंधित तंबाकू और गुटखा जैसे उत्पादों पर जीएसटी का निर्धारण पैकेट पर अंकित अधिकतम खुदरा मूल्य के आधार पर किया जाएगा।

सीसीटीवी की निगरानी में होगी पैकिंग

पान मसाला उद्योग के लिए भी नए नियम प्रभावी होंगे। निर्माताओं को स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर कानून के अंतर्गत नया पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। साथ ही सभी पैकिंग मशीनों पर सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था लगाकर उसकी रिकॉर्डिंग कम से कम 24 महीने तक सुरक्षित रखनी होगी। केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम में संशोधन के बाद सिगरेट पर उसकी लंबाई के अनुसार प्रति स्टिक 2.05 रुपये से 8.50 रुपये तक शुल्क निर्धारित किया गया है, जबकि पान मसाला पर कुल कर भार को 40 प्रतिशत जीएसटी सहित मौजूदा लगभग 88 प्रतिशत स्तर पर बनाए रखा गया है।

भारत-पाकिस्तान का ग्रुप मैच क्यों फाइनल से भी खतरनाक

अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 का पूरा समीकरण

एजेंसी । नई दिल्ली

अंडर-19 एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान से मिली करारी हार को पीछे छोड़ते हुए भारत अब अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 में बिल्कुल अलग लय में नजर आ रहा है। मौजूदा हालात में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला ग्रुप मुकाबला फाइनल से भी ज्यादा अहम बन गया है। इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को हराकर सेमीफाइनल में तीसरी जगह पक्की कर ली है, जबकि अफगानिस्तान और ऑस्ट्रेलिया पहले ही अंतिम-4 में पहुंच चुके हैं। अब चौथे और आखिरी सेमीफाइनल स्थान के लिए भारत और पाकिस्तान आमने-सामने होंगे। यह मुकाबला रविवार, 1 फरवरी को खेला जाएगा और इसे वर्चुअल क्वार्टरफाइनल माना जा रहा है।

भारत फॉर्म में, पाकिस्तान पर दबाव

भारत ने अब तक अपने तीनों ग्रुप मैच जीते हैं और वह तालिका में शीर्ष पर है। दूसरी ओर, पाकिस्तान को इंग्लैंड के खिलाफ हार झेलनी पड़ी है। आयुष म्हात्रे की कप्तानी में भारतीय टीम संतुलित और आत्मविश्वास से भरी नजर आ रही है, हालांकि भारत-पाकिस्तान मुकाबले का दबाव हमेशा खास होता है

पाकिस्तान की उम्मीदें

पाकिस्तान की सबसे बड़ी ताकत समीर मिन्हास हैं, जिन्होंने अब तक 94 की औसत से रन बनाए हैं। वही बल्लेबाज जिन्होंने एशिया कप फाइनल में भारत के खिलाफ शतक जड़ा था। गेंदबाजी में अली रज़ा (12 विकेट), अब्दुल सुभान (10 विकेट) और मोमिन क़मर (8 विकेट) चुनौती पेश कर सकते हैं।भारत की बल्लेबाजी भी शानदार फॉर्म में है। अभिज्ञान कुंडू 91 की औसत से रन बना रहे हैं, जबकि वैभव सूर्यवंशी 133 की स्ट्राइक रेट से तेजी से रन बटोर रहे हैं। विहान मल्होत्रा न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक जड़कर आत्मविश्वास में हैं।

नेट रन रेट से भारत मजबूत

भारत का नेट रन रेट +3.337 है, जबकि पाकिस्तान का +1.484। ऐसे में पाकिस्तान को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए भारत को 200 से ज्यादा रन से हराना होगा, जो मौजूदा हालात में बेहद मुश्किल माना जा रहा है। भारत की जीत से सेमीफाइनल में उसकी जगह पक्की हो जाएगी, जबकि करीबी हार में भी उसके आगे बढ़ने की संभावना बनी रहेगी। मौजूदा फॉर्म को देखते हुए भारत छठे अंडर-19 वर्ल्ड कप खिताब की दौड़ में मजबूत दावेदार बना हुआ है।

टी 20 विश्व कप के लिए डेविड मिलर को मेडिकल क्लियरेंस

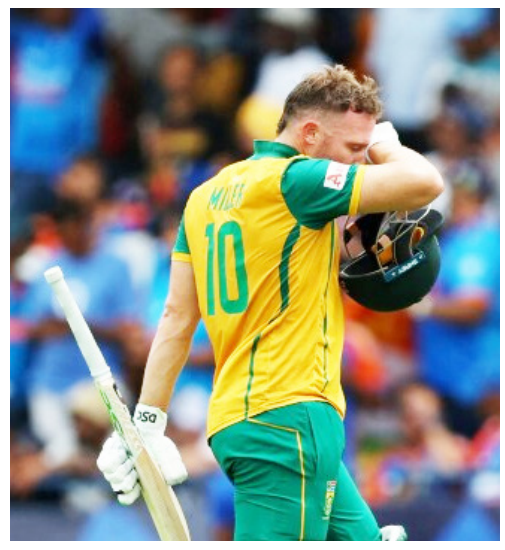

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के सीनियर बल्लेबाज़ डेविड मिलर को अगले सप्ताह शुरू होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में खेलने के लिए मेडिकल मंजूरी मिल गई है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने पुष्टि की है कि मिलर रविवार को टीम के साथ मुंबई के लिए रवाना होंगे। सीएसए के अनुसार, एसए20 लीग के दौरान पार्ल रॉयल्स की ओर से खेलते समय मिलर की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। हालांकि, इस सप्ताह उन्होंने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज़ डेविड मिलर को भारत और श्रीलंका में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के लिए मेडिकल क्लियरेंस मिल गई है।' पोस्ट में आगे कहा गया, "एसए20 के दौरान लगी चोट से उबरने के बाद मिलर फिट घोषित कर दिए गए हैं और वह रविवार को जोहानिसबर्ग से मुंबई के लिए टीम के साथ रवाना होंगे।"
गौरतलब है कि पिछली उपविजेता दक्षिण अफ्रीका को ग्रुप-डी में न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान, कनाडा और संयुक्त अरब अमीरात के साथ रखा गया है। दक्षिण अफ्रीका अपना पहला मुकाबला 9 फरवरी को अहमदाबाद में कनाडा के खिलाफ खेलेगा।

न्यूज ब्रीफ

इंडियन डर्बी : फिनबोस की राह कठिन

बी डी यादव । मुंबई

रविवार को महालक्ष्मी रेसकोर्स पर देश की सबसे प्रतिष्ठित घुड़दौड़ विल्लू सी पूनावाला इंडियन डर्बी का आयोजन किया जा रहा है। यह दौड़ हमेशा से ही मुंबईकरों की पहली पसंद रही है, जिसमें भरपूर मनोरंजन के साथ-साथ रोमांच रहता है। इस दौड़ में जीत हासिल करना सभी पेशेवर अपना 'लाईफटाईम अचिवमेन्ट' मानते है। इस बार पूनावाला ग्रुप द्वारा प्रायोजन के कारण कुल ईनामी राशि चार करोड़ रखी गई है। जिसमें विजेता घोड़े को 2 करोड़ 40 लाख रुपए बतौर ईनाम मिलेंगे। 11 प्रतिद्वंदियों के बीच विजेता का चयन एक मुश्किल काम है। पेसी श्रॉफ द्वारा प्रशिक्षित फिनबोस का दावा सबसे तगड़ा है, लेकिन उसकों दौड़ के अंत में बेशिमो और ज़कारियास घात लगाए बैठे हैं। कुल नौ दौड़ों का कार्यक्रम रखा गया है। पहली दौड़ 2.15 बजे आरंभ होगी। विभिन्न दौड़ों के लिए हमारे चयन इस प्रकार हैः 1- डॉन हुलियो (प्र.), लॉ डोल्स विटा (द्वि.), 2- एलेक्सियोस (प्र.), पुक्कनी (द्वि.), 3- सैन्टिसिमो (प्र.), अफ्रिकान गोल्ड (द्वि.), 4- पिनॉकल (प्र.), लेडी स्कॉरलेट (द्वि.), 5- सॉयकिक स्टॉर (प्र.), नामिरी (द्वि.), 6- बकिन्घम (प्र.), डि'एर्टागनन (द्वि.), 7- फिनबोस (प्र.), बेशिमो (द्वि.), 8- सोशल बटरफ्लाई (प्र.), वेस्टर्न स्टॉर (द्वि.) 9- मिनिस्ट्री ऑफ टॉईम (प्र.), गोल्डन हॉर्ट , दिन का सर्वोत्तम- बकिन्घम।

डोपिंग निलंबन रद्द होने के बाद नई शुरुआत को तैयार कृष्ण प्रसाद गारगा

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष युगल बैडमिंटन खिलाड़ी कृष्ण प्रसाद गारगा के लिए बीते डेढ़ साल अनिश्चितता और मानसिक संघर्ष से भरे रहे। अब डोपिंग के आरोप में लगा चार साल का निलंबन रद्द होने के बाद वह करियर की नई शुरुआत के लिए तैयार हैं। थॉमस कप 2022 की ऐतिहासिक जीत का हिस्सा रहे 25 वर्षीय गारगा ने इसे अपने लिए बड़ी राहत बताया है।

फरवरी 2024 में लगा था प्रतिबंध

फरवरी 2024 में प्रतियोगिता के इतर जांच के दौरान गारगा का नमूना 'ह्यूमन कोरियोनिक गोनाडोट्रोपिन' के लिए पॉजिटिव पाया गया था। इसके बाद उन पर चार साल का प्रतिबंध लगा दिया गया, जिससे उनका उभरता करियर अचानक रुक गया।
इस महीने की शुरुआत में राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के अपील पैनल ने निलंबन रद्द कर दिया। पैनल ने कहा कि वैज्ञानिक सबूत प्रतिबंधित पदार्थ के बाहरी इस्तेमाल को साबित नहीं करते। इसके साथ ही गारगा के नतीजे, रैंकिंग और खेलने की पात्रता तत्काल बहाल कर दी गई। गारगा ने कहा कि यह समय मानसिक रूप से बेहद कठिन रहा।

रायबाकिना ने सबालेंका को हराकर खिताब जीता

मेलबर्न। कजाकिस्तान की एलेना रायबाकिना ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के महिला एकल फाइनल में वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका को हराकर अपना पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन और करियर का दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब जीत लिया। रॉड लेवर एरिना में खेले गए फाइनल मुकाबले में रायबाकिना ने सबालेंका को 6-4, 4-6, 6-4 से मात दी।
यह मुकाबला 2023 ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल की याद दिलाने वाला रहा, जहां सबालेंका ने रायबाकिना को हराकर अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। तीन साल बाद रायबाकिना ने उसी मंच पर जीत दर्ज कर उस हार का बदला चुकता कर लिया।

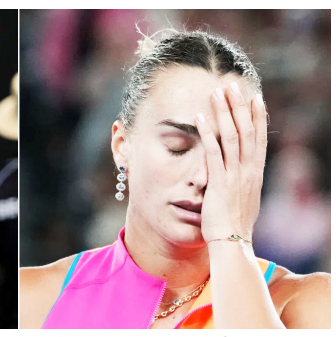

कजाकिस्तान के लिए ऐतिहासिक जीत

इस जीत के साथ एलेना रायबाकिना ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीतने वाली कजाकिस्तान की पहली खिलाड़ी बन गई हैं। खिताबी जीत के साथ उन्हें 2.75 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 25 करोड़ 21 लाख रुपये) की इनामी राशि भी मिली।

निर्णायक सेट में शानदार वापसी

मैच के पहले सेट में रायबाकिना ने मजबूत सर्विस और सटीक ग्राउंडस्ट्रोक्स के दम पर 6-4 से बढ़त बनाई। दूसरे सेट में सबालेंका ने आक्रामक खेल दिखाते हुए 6-4 से सेट अपने नाम किया। निर्णायक तीसरे सेट में सबालेंका ने 3-0 की बढ़त बनाई, लेकिन रायबाकिना ने जबरदस्त कमबैक करते हुए लगातार ब्रेक हासिल किए और 6-4 से सेट जीतकर खिताब पर कब्जा जमाया।रायबाकिना ने पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक ही सेट गंवाया, जो फाइनल मुकाबले में आया। इसके बावजूद उन्होंने दबाव में बेहतरीन खेल दिखाते हुए जीत दर्ज की। वहीं, पिछले दो वर्षों से चैंपियन रहीं सबालेंका इस बार ऑस्ट्रेलियन ओपन की हैट्रिक लगाने से चूक गईं।

बॉलीवुड

'बैटल ऑफ गलवान' के टीजर पर उठे एक्सप्रेशन्स को लेकर सवाल

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की मच-अवेटेड फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म का टीजर और गाना सामने आने के बाद जहां फैंस में उत्साह दिखा, वहीं सलमान खान के एक्सप्रेशन्स को लेकर सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोल भी किया गया। अब इस ट्रोलिंग पर सलमान खान ने खुलकर प्रतिक्रिया दी है। ISPL (इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग) T10 लीग में सलमान खान की टीम भी हिस्सा ले रही है। 30 जनवरी को हुए एक मुकाबले के दौरान सलमान अपनी टीम को सपोर्ट करने स्टेडियम पहुंचे। इस दौरान पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ के साथ उनकी मस्ती भरी बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मैदान पर बातचीत के दौरान मोहम्मद कैफ ने मजाकिया अंदाज में सलमान से कहा कि 'बैटल ऑफ गलवान' के टीजर में जिस तरह उन्होंने लकड़ी पकड़ी है, उसी अंदाज में बैट पकड़कर पोज दें। इस पर सलमान ने हाथ में बैट लेकर टीजर वाले सीन की तरह पोज दिए, जि[illegible] देखकर स्टेडियम में मौ[illegible] लोग भी खुश नजर अ[illegible] इसी दौरान सलमान [illegible] ने अपने हेटर्स को ज[illegible] देते हुए कहा पहले ऐ[illegible] देखा और फिर यूं देख[illegible] है। अब किसी को ये रोमांटिक लुक लगता है, लेकिन मैं कर्नल हूं। ये एक कर्नल का लुक है, जो जानता है कि अपने जवानों को हौसला कैसे देना है। सलमान ने मजाकिया अंदाज में आगे कहा कि वह यही लुक स्टेडियम में मौजूद लोगों को भी दे सकते हैं, लेकिन फिर हंसते हुए बोले मगर उस लुक का कोई मतलब नहीं है। तो ऐसे ही चलता रहा है और ऐसे ही चलता रहेगा, आप लोगों की दुआ से।
'बैटल ऑफ गलवान' एक वॉर ड्रामा फिल्म है, जो साल 2020 में भारत और चीन के सैनिकों के बीच गलवान घाटी में हुई ऐतिहासिक झड़प पर आधारित है। फिल्म से सलमान खान को काफी उम्मीदें हैं और अब देखना दिलचस्प होगा कि दर्शक इस पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं।

सलमान खान ने ट्रोलिंग पर तोड़ी चुप्पी, हेटर्स को दिया जवाब

'उनकी आवाज याद आएगी'

अरिजीत सिंह के प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने पर अदिति राव हैदरी ने जताया दुख

बॉलीवुड के मशहूर सिंगर अरिजीत सिंह के प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने के फैसले ने फैंस से लेकर फिल्म इंडस्ट्री तक सभी को हैरान कर दिया है। उनके इस अचानक फैसले पर कई कलाकारों ने प्रतिक्रिया दी है। अब अभिनेत्री अदिति राव हैदरी ने भी अरिजीत के प्लेबैक से दूरी बनाने पर दुख जताया है और कहा है कि फिल्मों में उनकी आवाज की बहुत कमी खलेगी। एक बातचीत में अदिति राव हैदरी ने कहा,'हे भगवान! मुझे अरिजीत की आवाज बहुत पसंद है। उनकी आवाज की बहुत याद आएगी। लेकिन मेरा मानना है कि एक कलाकार हमेशा कलाकार रहता है। एक रचनाकार हमेशा सृजन करता रहता है। कुछ भी हो जाए, गाने की शक्ति, सपना और प्रेम हमेशा उसके भीतर रहता है। इसलिए मुझे लगता है कि वह हमेशा गाते रहेंगे।'अदिति ने आगे कहा कि चाहे अरिजीत किसी के लिए गाएं या सिर्फ खुद के लिए, उनकी आवाज कहीं न कहीं जरूर गूंजती रहेगी। उनके मुताबिक, अरिजीत आगे कुछ नया और बेहद खास करेंगे।
गौरतलब है कि अरिजीत सिंह ने हाल ही में अदिति राव हैदरी और विजय सेतुपति की फिल्म 'गांधी टॉक्स' में भी गाना गाया है। उन्होंने फिल्म के गीत 'सुनहरी किरणे' में अपनी आवाज दी है, जिसका संगीत ऑस्कर विजेता एआर रहमान ने तैयार किया है। इससे पहले अरिजीत ने अदिति की 2015 में आई फिल्म 'गुड्डू रंगीला' के लोकप्रिय गीत 'सूइयां' में भी अपनी आवाज दी थी।काम की बात करें तो अदिति राव हैदरी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'गांधी टॉक्स' में नजर आई हैं।

सलमान ने 'दबंग' के डायरेक्टर के खिलाफ दायर किया मानहानि केस

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने फिल्म दबंग के डायरेक्टर अभिनव कश्यप के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है। मामले में मुंबई की एक अदालत ने अभिनव कश्यप को सलमान खान और उनके परिवार के खिलाफ कोई भी अपमानजनक या नकारात्मक बयान देने से अस्थायी रूप से रोक दिया है। एक एजेंसी के अनुसार, सलमान खान ने कोर्ट से मांग की है कि यह रोक स्थायी की जाए। इसके साथ ही उन्होंने अभिनव कश्यप से 9 करोड़ रुपये के हर्जाने और बिना शर्त माफी की भी मांग की है।याचिका में दावा किया गया है कि सितंबर से दिसंबर 2025 के बीच अभिनव कश्यप ने 26 वीडियो इंटरव्यू और पॉडकास्ट जारी किए, जिनमें सलमान खान और उनके परिवार के खिलाफ झूठे, अपमानजनक और मानहानि करने वाले बयान दिए गए।

कोर्ट ने अभिनव कश्यप को अपमानजनक बयान देने से रोका

नहीं रहीं लेजेंडरी एक्ट्रेस कैथरीन ओहारा, 71 वर्ष की उम्र में निधन

हॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री और कॉमेडी क्वीन कैथरीन ओ'हारा का 71 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। शुक्रवार, 30 जनवरी को उन्होंने लॉस एंजिल्स स्थित अपने घर पर बीमारी से जूझते हुए अंतिम सांस ली। उनके एजेंट ने निधन की पुष्टि की है। कैथरीन के निधन से हॉलीवुड समेत दुनियाभर के फैंस और सेलेब्स गहरे शोक में हैं। कैथरीन ओ'हारा को खास तौर पर उनके कॉमेडी रोल्स के लिए जाना जाता था। 1990 में आई सुपरहिट फिल्म 'होम अलोन' में उन्होंने केट मैकैलिस्टर का किरदार निभाया, जो गलती से अपने बेटे केविन को घर पर भूल जाती हैं। उनकी घबराई हुई चीख "केविन!" आज भी

दर्शकों को याद है। इसके अलावा 1988 की फिल्म 'बीटलजूस' में डेलिया डीट्ज के किरदार से भी उन्होंने खूब तारीफें बटोरीं। कैथरीन ओ'हारा को कॉमेडी सीरीज 'शिट्स क्रीक' में मोइरा रोज के किरदार ने नई पीढ़ी के बीच आइकन बना दिया। अजीबोगरीब फैशन, अनोखा एक्सेंट और शानदार डायलॉग्स ने उनके किरदार को यादगार बना दिया। इस भूमिका के लिए उन्हें एमी अवॉर्ड भी मिला था। कैथरीन के निधन पर हॉलीवुड और बॉलीवुड दोनों इंडस्ट्री से श्रद्धांजलि संदेश आए। 'होम अलोन' के सह-कलाकार मैकाले कल्किन ने भावुक पोस्ट साझा किया। डैन लेवी, मेरिल स्ट्रीप, माइकल कीटन और पेड्रो पास्कल समेत कई सितारों ने उन्हें याद किया।

जम्मू-कश्मीर : किश्तवार में Operation TRASHI-I जारी

थकरेई में मिला पाकिस्तानी गुब्बारा

एजेंसी । जम्मू-कश्मीर

घाटी में आतंक के सफाए के लिए सुरक्षाबल लगातार अभियान चला रहे हैं। इसी बीच किश्तवार के थकरेई इलाके में स्थानीय लोगों ने पाकिस्तान से जुड़े एक बैनर और गुब्बारा बरामद किया। बरामद गुब्बारे और बैनर पर "The Pakistan Foundation College for Girls, Narowal" और "Annual Sports Day 2026" लिखा हुआ था। स्थानीय लोगों ने इस संदिग्ध वस्तु की जानकारी तुरंत पुलिस को दी, जिन्होंने मौके पर जाकर इसे अपने कब्जे में ले लिया।

आतंकवाद-रोधी अभियान जारी

बरामदगी ऐसे समय हुई है जब किश्तवार में व्हाइट नाइट कॉर्प्स, जम्मू-कश्मीर पुलिस और CRPF संयुक्त रूप से 'Operation TRASHI-I' चला रहे हैं। सेना के अधिकारियों के अनुसार, डोलगाम क्षेत्र में आतंकियों के संपर्क को काटने और इलाके में सुरक्षा मजबूत करने के लिए तलाशी अभियान और घेराबंदी चल रही है।

लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने की सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा

सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने किश्तवार का दौरा कर जमीनी हालात और सुरक्षा तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने कमांडरों और सैनिकों से बातचीत कर उनके प्रयासों की सराहना की। हाल ही में इस ऑपरेशन के दौरान हवलदार गजेंद्र सिंह ने ड्यूटी के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया। पाकिस्तानी गुब्बारा और बैनर मिलने के बाद इलाके में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। पुलिस और सेना संवेदनशील इलाकों में सतर्कता बढ़ा रही हैं, ताकि किसी भी तरह की संभावित खतरे की स्थिति से निपटा जा सके।

अभियान की शुरुआत और शहीद हवलदार गजेंद्र सिंह

केंद्र शासित प्रदेश में आतंकवाद विरोधी अभियान 'त्राशी-I' 18 जनवरी से शुरू हुआ था। 19 जनवरी को हवलदार गजेंद्र सिंह को अंतिम श्रद्धांजलि दी गई, जिन्होंने किश्तवार जिले के चतरू के सिंगपुरा क्षेत्र में ऑपरेशन के दौरान शहादत दी। व्हाइट नाइट कोर ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा GOC, व्हाइट नाइट कोर हवलदार गजेंद्र सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। उन्होंने ऑपरेशन TRASHI-I के दौरान बहादुरी से कर्तव्य निभाते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। हम उनके अदम्य साहस, वीरता और कर्तव्य के प्रति निस्वार्थ समर्पण का सम्मान करते हैं।

18 जनवरी को शुरू हुआ था अभियान

समाचार एजेंसी के अनुसार, सेना ने बताया कि आज सुबह लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने आतंकवाद विरोधी ग्रिड और परिचालन तैयारियों की समीक्षा करने के लिए किश्तवाड़ का दौरा किया। भारतीय सेना ने बताया कि सेना प्रमुख ने जमीनी कमांडरों और समर्पित सैनिकों से बातचीत करते हुए चल रहे प्रयासों में उनके अटूट संकल्प की सराहना की। आपको बता दें कि ये ऑपरेशन 18 जनवरी 2026 से चल रहा है और अब इसका 14वां दिन है। इलाका पहाड़ी और चुनौतीपूर्ण है, लेकिन सुरक्षा बलों की मजबूत रणनीति और खुफिया तंत्र के समन्वय से ऑपरेशन प्रभावी ढंग से चल रहा है।

बलूचिस्तान में BLA का बड़ा हमला

10 पुलिसकर्मी शहीद कई शहरों में दहशत

सुरक्षा बलों ने 37 उग्रवादियों को मार गिराने का दावा किया

एजेंसी । इस्लामाबाद

पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलूचिस्तान में शनिवार को हालात तब बेकाबू हो गए, जब बलूच अलगाववादी संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी (BLA) ने एक साथ कई जिलों में समन्वित हमले किए। इन हमलों में कम से कम 10 सुरक्षाकर्मियों की मौत हुई, जबकि सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई में 37 उग्रवादियों को ढेर करने का दावा किया। अधिकारियों के अनुसार, इन हमलों का मकसद सुरक्षा ढांचे को कमजोर करना था, लेकिन तेज कार्रवाई के कारण बड़ा नुकसान टल गया।

पांच प्रमुख जिलों में हमले

स्थानीय सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक, शनिवार सुबह बलूचिस्तान के क्वेटा, पसनी, मस्तुंग, नुश्की और ग्वादर जिलों में लगभग एक ही समय पर गोलियों और आत्मघाती हमलों की कोशिश की गई। क्वेटा में हालात सबसे ज्यादा तनावपूर्ण रहे, जहां अकेले चार पुलिसकर्मियों की मौत की पुष्टि हुई।

ऑपरेशन हेरोफ' का ऐलान

इन हमलों की जिम्मेदारी BLA ने ली है। संगठन का दावा है कि उनका निशाना सैन्य ठिकाने, पुलिस और सिविल प्रशासन के अधिकारी थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, BLA ने अपने तथाकथित 'ऑपरेशन हेरोफ' के दूसरे चरण की शुरुआत का भी ऐलान किया है। इससे पहले संगठन ने कहा था कि वह मातृभूमि की रक्षा के नाम पर नए हमलों की तैयारी कर रहा है।

सुरक्षा व्यवस्था कड़ी, आपातकालीन टीमें तैनात

हमलों के बाद पूरे बलूचिस्तान में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। कई शहरों में आपातकालीन टीमें तैनात की गई हैं, जबकि संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान जारी है। अधिकारियों ने कहा कि फिलहाल किसी नागरिक के हताहत होने की पुष्टि नहीं हुई है। बलूचिस्तान में अलगाववादी आंदोलन नया नहीं है। जातीय बलूच समुदाय दशकों से राजनीतिक उपेक्षा और आर्थिक शोषण का आरोप लगाता रहा है। यह इलाका खनिज संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद अक्सर विद्रोह की आग में रहता है। हाल के वर्षों में अलगाववादियों ने अन्य प्रांतों के नागरिकों और विदेशी कंपनियों को भी निशाना बनाया है। मार्च 2025 में BLA ने 450 यात्रियों से भरी एक ट्रेन को हाईजैक किया था, जिसमें दर्जनों लोगों की मौत हुई थी।

न्यूज़ ब्रीफ

दिल्ली एनसीआर में तीन दिन बाद फिर बिगड़ी हवा

नई दिल्ली। दिल्ली एनसीआर में हवा तीन दिन बाद फिर से बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गई है। शनिवार का एक्यूआई 315 रहा, जो कि शुक्रवार की तुलना में 62 सूचकांक अधिक रहा। ग्रेटर नोएडा की हवा सर्वाधिक प्रदूषित रही। यहां एक्यूआई 328 दर्ज किया गया। नोएडा में 324, गाजियाबाद में 300 और गुरुग्राम में 300 एक्यूआई दर्ज किया गया। फरीदाबाद की हवा सबसे साफ रही। यहां एक्यूआई 197 दर्ज किया गया। यह हवा की मध्यम श्रेणी है। इसमें वाहन से होने वाला प्रदूषण 13.63 फीसदी, पेरिफेरल उद्योग से 9.88, आवासीय इलाकों से 3.61, निर्माण गतिविधियों से 1.72 और कूड़ा जलाने से 1.35 फीसदी प्रदूषण हुआ। सीपीसीबी के मुताबिक, शनिवार को हवा पूर्व दिशा से 8 किलोमीटर प्रतिघंटे की गति से चली। अधिकतम मिश्रण गहराई 850 मीटर रही। वेंटिलेशन इंडेक्स 2000 मीटर प्रति वर्ग सेकंड रहा। शाम छह बजे हवा में पीएम10 की मात्रा 277.3 और पीएम2.5 की मात्रा 160.9 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज की गई। मंगलवार तक हवा ऐसी ही रहने की आशंका है।

बेटे ने मां को बेरहमी से पीटा, इलाज के दौरान चली गई जान

शाहबाद। यूपी के रामपुर स्थित जगेसर गांव में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली घटना ने लोगों को झंकझोर दिया है। शराब पीने के लिए रुपये न देने पर एकलौते बेटे ने अपनी ही मां को इस कदर बेरहमी से पीटा कि इलाज के दौरान मेरठ में महिला ने दम तोड़ दिया। शुक्रवार शाम को जगेसर गांव निवासी राजू भारती ने अपनी मां मायावती (50) से शराब पीने के लिए रुपये मांगे रहा था। मां ने रुपये देने से इनकार कर दिया। रुपये देने से मना करने पर आरोपी बेटे ने अपना आपा खो दिया और लाठी-डंडों से मां पर हमला कर दिया।

बरेली के नगर मजिस्ट्रेट बनाए गए राजेश कुमार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने जालौन के नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा को बरेली का नगर मजिस्ट्रेट बनाया है। यह पद बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री को 26 जनवरी को निलंबित किए जाने से रिक्त हुआ था। अलंकार ने यूजीसी के नए नियम और शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के मुद्दे पर केंद्र व राज्य सरकार की आलोचना करते हुए सरकारी सेवा से इस्तीफा दे दिया था। उनके आचरण को सरकारी सेवक नियमावली का उल्लंघन मानते हुए सरकार ने उन्हें निलंबित कर दिया था। इसके अलावा प्रयागराज के एसडीएम सुनील कुमार को जालौन के नगर मजिस्ट्रेट की जिम्मेदारी दी गई है।

केंद्रीय विद्यालय सिवनी में छात्राओं से टी-शर्ट बदलवाने का आरोप, अभिभावकों का हंगामा

एजेंसी । जबलपुर

मध्य प्रदेश के सिवनी जिले स्थित केंद्रीय विद्यालय सिवनी में परीक्षा के दौरान छात्रों के साथ कथित अमर्यादित व्यवहार का मामला सामने आने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। नकल जांच और अनुशासन के नाम पर छात्राओं की यूनिफॉर्म टी-शर्ट उतरवाने के आरोपों से अभिभावकों में भारी आक्रोश है। बुधवार को बड़ी संख्या में अभिभावकों ने स्कूल परिसर पहुंचकर विद्यालय प्रबंधन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। जानकारी के अनुसार, 29 जनवरी को कक्षा 12वीं के छात्र-छात्राएं प्रायोगिक परीक्षा के बाद स्कूल यूनिफॉर्म की टी-शर्ट पहनकर विद्यालय पहुंचे थे। इन टी-शर्ट्स पर छात्रों ने स्मृति स्वरूप कुछ शब्द और चिन्ह बनाए थे, जिनमें 'आई लव यू', दिल के निशान और कुछ नेताओं के नाम शामिल

टी-शर्ट बदलने को कहा- नहीं पहुंचे परिजन

आरोप है कि परीक्षा के दौरान छात्रों को टी-शर्ट बदलने के निर्देश दिए गए। जब समय पर परिजन दूसरी टी-शर्ट लेकर नहीं पहुंचे, तो करीब 20 विद्यार्थियों से कथित तौर पर टी-शर्ट उतरवाकर उन्हें जैकेट पहनाकर घर भेज दिया गया। इस घटना की जानकारी मिलते ही अभिभावकों में नाराजगी फैल गई। अभिभावकों का आरोप है कि बच्चों के साथ मानसिक उत्पीड़न किया गया और पांच अंक काटने की धमकी भी दी गई।

कलेक्टर ने गठित की जांच समिति

मामले को गंभीर मानते हुए अभिभावकों ने जिला कलेक्टर शीतला पटले से शिकायत की। कलेक्टर ने तत्काल चार सदस्यीय जांच दल का गठन किया, जिसमें एसडीएम सिवनी पर्वी तिवारी, डीपीसी महेश बघेल, महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यक्रम अधिकारी मनोज लारोकर और सुधारालय अधीक्षक बाल अभिजीत पचौरी शामिल हैं। जांच टीम ने विद्यालय पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

8 पूर्व स्वास्थ्य निदेशक पर ED की बड़ी कार्रवाई

भोपाल-रायसेन में 9.79 करोड़ की संपत्ति अटैच

एजेंसी । रांची

प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने मध्य प्रदेश सरकार के पूर्व स्वास्थ्य निदेशक डॉ. अमरनाथ मित्तल के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले में बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने डॉ. मित्तल और उनकी पत्नी अलका मित्तल की कुल 9.79 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्तियों को कुर्क (अटैच) कर लिया है। यह संपत्तियां भोपाल और रायसेन जिलों में स्थित बताई जा रही हैं। ईडी अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई लोकायुक्त संगठन, भोपाल द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर की गई है। एफआईआर में डॉ. मित्तल पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अपनी ज्ञात आय से कहीं अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। इसके बाद मामले की मनी लॉन्ड्रिंग एंगल से जांच ईडी ने शुरू की।

लोकायुक्त की FIR के बाद शुरू हुई जांच

अवैध धन को वैध दिखाने की कोशिश

ईडी जांच में यह भी सामने आया कि अवैध धन को वैध दिखाने के लिए लेयर्ड फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन, बेहिसाब नकदी और अज्ञात जमा राशियों का इस्तेमाल किया गया। अधिकारियों के मुताबिक, आरोपियों ने संपत्तियों को बचाने के लिए हरसंभव प्रयास किए। हैरानी की बात यह है कि 2012 में एफआईआर दर्ज होने के बाद भी डॉ. मित्तल ने पुरानी संपत्तियों को बेचकर मिले धन को नई संपत्तियों में निवेश किया। ईडी ने इसे 'प्रोसीड्स ऑफ क्राइम' माना है। इसी वजह से कुर्क की गई संपत्तियों का कुल मूल्य बढ़कर 9.79 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। ईडी द्वारा अटैच की गई संपत्तियों में,लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन बॉन्ड,भोपाल और रायसेन में स्थित आवासीय संपत्तियां कृषि भूमि शामिल हैं। ईडी ने साफ किया है कि मामले में आगे की जांच जारी है और आने वाले समय में और भी कार्रवाई की जा सकती है।

आय 60 लाख, संपत्ति लगभग 3 करोड़

जांच में सामने आया कि डॉ. अमरनाथ मित्तल की वैध आय करीब 60 लाख रुपये थी, जबकि उनके द्वारा अर्जित संपत्तियों और खर्च का आंकड़ा लगभग 2.98 करोड़ रुपये पाया गया। इस तरह करीब 2.38 करोड़ रुपये की संपत्ति को अवैध रूप से अर्जित माना गया। ईडी का दावा है कि डॉ. मित्तल ने अवैध कमाई को छिपाने के लिए अपने नाम के अलावा पत्नी अलका मित्तल और 'ए.एन. मित्तल हिंदू अविभाजित परिवार (HUF)' के नाम पर भी कई चल और अचल संपत्तियां खरीदीं। यह कदम संपत्ति के वास्तविक स्वामित्व और धन के स्रोत को छिपाने की मंशा को दर्शाता है।

3000 करोड़ के निवेश घोटाले में फंसे फिल्मी सितारे, मनोज तिवारी-गोविंदा पर केस

निवेश योजना के प्रचार को लेकर जमशेदपुर में केस दर्ज

एजेंसी । रांची

देश के बड़े निवेश घोटालों में शामिल एक मामले में अभिनेता और भाजपा सांसद मनोज तिवारी, अभिनेता गोविंदा, शक्ति कपूर और चंकी पांडे समेत कई नामचीन हस्तियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। निवेशकों को लुभाने और एक निजी निवेश योजना का प्रचार करने के आरोप में इन सभी के खिलाफ जमशेदपुर में मामला दर्ज करने का आदेश दिया गया है। यह मामला गाजियाबाद स्थित कंपनी Maxizone Touch Private Limited से जुड़ा हुआ है।

कोर्ट के आदेश पर दर्ज होगा एफआईआर

शुक्रवार को जमशेदपुर के चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट (CJM) कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई। शिकायतकर्ता सुबोध कुमार सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने आईपीसी की धारा 420 (धोखाधड़ी) और 120B (षड्यंत्र) सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज करने का आदेश दिया। शिकायतकर्ता के वकील विद्या सिंह के अनुसार, कोर्ट के निर्देश के बाद सभी आरोपियों के खिलाफ साकची थाना में एफआईआर दर्ज की जाएगी। शिकायत के मुताबिक, जमशेदपुर के निवेशकों के लगभग 150 करोड़ रुपये, जबकि झारखंड भर के निवेशकों के करीब 600 करोड़ रुपये कंपनी में फंसे हुए हैं।

DNHDD स्पोर्ट्स क्लब का तीन दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट संपन्न

40 टीमों ने लिया हिस्सा

सिलवासा। DNHDD स्पोर्ट्स क्लब की ओर से शिव प्रकाश मेमोरियल स्कूल ग्राउंड में तीन दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। टूर्नामेंट में अंडर-10, अंडर-13 और अंडर-16 आयु वर्ग के मुकाबले खेले गए, जिसमें जिले के 23 स्कूलों की कुल 40 टीमों ने भाग लेकर खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। 31 जनवरी को खेले गए फाइनल मुकाबलों में अंडर-10 और अंडर-13 वर्ग में DDDNH टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया। वहीं अंडर-16 वर्ग में दपारा टीम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की और मेडल पर कब्जा जमाया।

खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन

प्रतियोगिता के समापन अवसर पर प्रीस्ट्रेस वायर कंपनी के एमडी, जाइकोर्प कंपनी के एचआर राहुल, नगरपालिका वार्ड काउंसलर मनीषा यादव और भाजपा सदस्य विक्रम यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों ने विजेता और उपविजेता टीमों को बधाई दी और बच्चों के खेल कौशल की सराहना की।

आज दिल्ली-NCR में बरसेंगे बदरा मौसम विभाग का यलो अलर्ट जारी

सक्रिय होंगे तीन पश्चिमी विक्षोभ; बढ़ेगी ठंड

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर में 1 से 7 फरवरी के बीच 3 पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होंगे जिससे हिमालयी राज्यों में बर्फबारी और उत्तर-पश्चिम के इलाकों में बारिश की संभावना है। पहले दो विक्षोभ 31 जनवरी से 3 फरवरी तक असर दिखाएंगे, जबकि तीसरा 5 फरवरी से सक्रिय होगा। ऐसे में मौसम विभाग ने रविवार के लिए बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इससे दिल्ली में ठिठुरन बढ़ेगी।

इसके अलावा, मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में बदलाव किया है। मौसम विभाग ने पहले तीन दिन बारिश की संभावना जताई थी लेकिन अब रविवार तक ही बारिश की संभावना जताई है। बीते साल की तुलना में जनवरी 2026 अधिक ठंडा रहा। औसतन अधिकतम तापमान 20.1 और न्यूनतम तापमान 6.8 डिग्री दर्ज हुआ।

जोधपुर में साध्वी प्रेम बाईसा की संदिग्ध मौत

इंजेक्शन से बिगड़ी हालत या साजिश?

पोस्टमार्टम, विसरा और मोबाइल फॉरेंसिक रिपोर्ट से खुलेगा मौत का राज

एजेंसी । जोधपुर

राजस्थान के जोधपुर की कथावाचक साध्वी प्रेम बाईसा की अचानक हुई मौत अब एक गंभीर रहस्य बनती जा रही है। मामूली सर्दी-खांसी और बुखार की शिकायत के बीच घर पर लगाए गए एक इंजेक्शन के बाद उनकी तबीयत तेजी से बिगड़ गई और कुछ ही देर में उनकी मौत हो गई। इस घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं—क्या यह सामान्य चिकित्सा लापरवाही थी या किसी जहरीले पदार्थ के इस्तेमाल की आशंका है? परिजनों के अनुसार साध्वी प्रेम बाईसा को हल्का जुकाम और बुखार था। इलाज के दौरान देवी सिंह राजपुरोहित नामक कंपाउंडर ने उन्हें

इंजेक्शन लगाया। आरोप है कि इंजेक्शन लगने के कुछ ही सेकेंड बाद उनकी हालत गंभीर हो गई। पुलिस इस कंपाउंडर से पूछताछ कर चुकी है और इंजेक्शन के प्रकार व उसकी जरूरत को लेकर जांच कर रही है।

SIT गठित, हर एंगल से जांच

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए राजस्थान पुलिस ने स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) का गठन किया है। जोधपुर की एसीपी छवि शर्मा ने बताया कि मौत से जुड़े सभी पहलुओं की गहराई से जांच की जा रही है। फिलहाल इस केस में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस कमिश्नर ओम प्रकाश के अनुसार, साध्वी का पोस्टमार्टम किया जा चुका है, लेकिन रिपोर्ट का इंतजार है। साथ ही विसरा रिपोर्ट और उनके मोबाइल फोन की फॉरेंसिक जांच भी कराई जा रही है। पुलिस का कहना है कि इन्हीं तीन रिपोर्टों के आधार पर मौत की असली वजह साफ हो सकेगी। मामले में 'अग्निपरीक्षा' से जुड़ा विवाद भी सामने आया है। एक वायरल सीसीटीवी फुटेज के बाद साध्वी ने सार्वजनिक रूप से अग्निपरीक्षा की बात कही थी। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या इस विवाद और मानसिक दबाव का उनकी मौत से कोई संबंध है। साध्वी के सोशल मीडिया अकाउंट से उनकी मौत के करीब चार घंटे बाद एक पोस्ट सामने आई, जिसमें लिखा था-'जीते जी नहीं तो जाने के बाद न्याय मिलेगा।' बाद में स्पष्ट किया गया कि यह पोस्ट उनके पिता ने डाली थी।